हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
बिलासपुर, सोमवार 19 जनवरी 2026

ॐ

In loving memory of

Mohan Lal Mittal

24 October 1926 — 15 January 2026

Husband of the late Geeta Devi Mittal

Lakshmi Niwas and Usha Mittal
Seema and Sri Prakash Lohia
Saroj and Santosh Rateria
Pramod and Sangeeta Mittal
Vinod and Archana Mittal

Amit-Aarti, Aditya-Megha, Shruti-Vikram,
Vanisha-Amit, Saurabh-Neha, Sneha-Aditya,
Natasha-Varun, Vartika-Utsav, Atulya-Isheta,
Shristi-Raj, and Divyesh-Jake

Aria, Sanaya, Riyana, Eshana, Armaan,
Sohum, Siaara, Suhana, Rayaan, Yuveer, Ruhan,
Ahaan, Aaryav, Trigya, Shorya, Aryaman,
Jaiveer, Miraya, Anegita, Auhrim, Eka, and Vishwa

कुत्तों का खौफ... थम नहीं रहे डॉग बाइट के मामले

12 महीने में ही सरकारी अस्पतालों में खपे एंटी रेबीज के पौने दो लाख डोज

आंबेडकर में 5000 इंजेक्शन लगाए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

एनिमल बर्थ कंट्रोल के लिए की जाने वाली कार्रवाई में केवल दावे ही नजर आ रहे हैं। राजधानी समेत प्रदेश की सड़कों में आवारा कुत्तों का अभी भी कब्जा है। पिछले साल यानी वर्ष 2025 में इनका शिकार होने वालों को केवल आंबेडकर अस्पताल में ही पांच हजार एंटी रेबीज वैक्सीन के डोज लगाने पड़े। जबकि प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में लगभग पौने दो लाख वैक्सीन डोज की खपत हुई है।

आवारा कुत्तों की संख्या कम करने बधियाकरण के लिए अभियान चलाया जा रहा है, बावजूद इसके ठंड के मौसम कुत्तों के शावक गली-मोहल्ले में नजर आने लगे हैं। राजधानी समेत समूचे राज्य में समुचित अभियान के अभाव में स्ट्रीट डॉग की संख्या कम नहीं हो रही है तो इनका शिकार होने वालों को रेबीज के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए मेडिकल कालेज, जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में रखे जाने वाले एंटी रेबीज वैक्सीन का स्टॉक बढ़ा दिया गया है। सीजीएमएससी द्वारा इस बार इस वैक्सीन की अतिरिक्त खरीदी भी की गई है। बीते वर्ष शहर में भी डॉग बाइट की काफी घटनाएं हुईं और नियमित रूप से लोग रेबीज से बचाव वाला इंजेक्शन लगाने आंबेडकर अस्पताल पहुंचते रहे। आपात चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में यहां करीब 5 हजार एंटी रेबीज की वैक्सीन डॉग बाइट से प्रभावित लोगों को लगाई गई। इतना ही नहीं, राज्य के तमाम स्वास्थ्य केंद्रों में करीब 1 लाख 73 हजार लोगों को यह इंजेक्शन लगाना पड़ा। इधर श्वान की संख्या नियंत्रित करने चलाया जाने वाला अभियान भी कारगर होता नहीं दिख रहा है। ठंड का मौसम आने के बाद शहर के कई इलाकों में कुत्तों के शावक नजर आने लगे हैं।

सात लोगों के भरोसे अभियान

शहर में भी स्ट्रीट डॉग को नियंत्रित करने सात लोगों के भरोसे अभियान चलाया जा रहा है। इनमें दो वेटनरी डॉक्टर, चार डॉग कैचर और एक ड्राइवर की टीम है। इनके द्वारा रोजाना औसतन 10 डॉग का ऑपरेशन किया जाता है। दूसरी ओर आंकड़ों के अनुसार, केवल शहर में स्ट्रीट डॉग की संख्या 40 से 45 हजार के करीब है।

हो चुकी है मौत भी...

चिकित्सकों के अनुसार डॉग बाइट की घटनाओं को गंभीरता से लेना जरूरी है। इनके काटने अथवा खरोंच लगने पर भी एहतियात के तौर पर एंटी रेबीज की वैक्सीन लगवाना जरूरी है। रेबीज के संक्रमण को रोका जा सकता है, मगर इससे प्रभावित होने पर इलाज होना संभव नहीं है। राज्य में पिछले साल कुत्ते के काटने के बाद इलाज में लापरवाही बरतने की वजह से एक ग्रामीण की सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

गुढ़ियारी के कंट्रोल रूम से ही प्रदेश में किसी भी स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ता की बिजली हो रही है बंद

अब हजार रुपए बकाया पर भी बिजली ऑटो कट, परेशान हो रहे उपभोक्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेशभर के छोटे और बड़े बिजली के उपभोक्ताओं पर तीन हजार करोड़ से ज्यादा का बकाया हो गया है। आमतौर पर बकाएदारों की बिजली कट करने के लिए पॉवर कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों को उपभोक्ताओं के घरों तक जाना पड़ता है। ऐसे में बिजली कनेक्शन काटने पर विवाद हो जाता है, लेकिन अब प्रदेशभर में लग रहे स्मार्ट मीटरों के कारण बकाएदारों को स्मार्ट करंट लग रहा है। यानी जिन उपभोक्ताओं के कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर लग गए हैं, उनके कनेक्शन आसानी से राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी से ही कट हो जा रहे हैं।

खास खबर

बकाया वसूलने के लिए पॉवर कंपनी के अलग-अलग शहरों के सेंटरों ने अलग-अलग राशि तय की है। ऐसे में अब तो प्रदेश के कुछ शहरों में हजार रुपए का भी बकाया होने पर बिजली ऑटो कट हो रही है। राजधानी रायपुर में साढ़े तीन हजार रुपए तक के बकाया पर बिजली कट हो रही है। इसको अब दो हजार करने की तैयारी है। छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने इस समय प्रदेशभर में बिजली के बकाएदारों के खिलाफ अभियान चला रखा है। राजधानी रायपुर से लेकर प्रदेश के हर शहर में बकाएदारों के कनेक्शन कट किए जा रहे हैं। प्रदेशभर में बीस लाख से ज्यादा उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन पर तीन हजार करोड़ से ज्यादा का बकाया है। 20 हजार या इससे ज्यादा के बकाएदारों की संख्या ही दस लाख के करीब है। इन पर ही करीब ढाई हजार करोड़ का बकाया है। इसी के साथ एक लाख से ज्यादा के बकाएदारों की संख्या छह हजार से ज्यादा है।

कंट्रोल रूम से ही बिजली कट

एक वह समय था, जब किसी भी बिजली के बकाएदार का कनेक्शन कट करने के लिए उनके घरों तक जाना पड़ता था। ऐसे में जब बिजली विभाग के कर्मचारी बिजली कट करने पहुंचते थे तो कई बार विवाद हो जाता था, कई बार तो झगड़ा-लड़ाई तक की नौबत आ चुकी है, लेकिन अब स्मार्ट मीटर लगने के कारण इन विवादों से बचने का रास्ता मिल गया है। प्रदेश में इस समय करीब 60 फीसदी उपभोक्ताओं के मीटर स्मार्ट हो गए हैं। ऐसे में अब बकाएदारों की बिजली कंट्रोल रूम से ही कट की जा रही है।

एक माह का बिल जमा नहीं और बिजली कट

एक समय वह था, जब दो माह से ज्यादा का बकाया होने पर भी बिजली कट नहीं होती थी, वहीं दो माह से ज्यादा का बकाया होने पर घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल हॉफ योजना का लाभ नहीं मिलता था, लेकिन अब तो एक माह का बकाया होने पर ही बिजली कट हो रही है। महामंदिर वार्ड की अर्चना शुक्ला ने बताया, उनके यहां 25 साल में कभी बिजली कट नहीं हुई, लेकिन बीते माह दिसंबर में उनके यहां 20 दिसंबर को बिल आया, 24 दिसंबर तक बिल का भुगतान करना था। पूरा परिवार राजस्थान चला गया था, वहां से 3 जनवरी को लौटे तो बिजली कट हो गई थी। उन्होंने बताया, उनका बिल एक माह का ही महज चार हजार रुपए होने के बाद भी बिजली कट कर दी गई। श्रीमती शुक्ला के मुताबिक, उनके मोहल्ले में कई उपभोक्ताओं की बिजली एक माह का बिल जमा न होने पर ही बिजली कट कर दी गई। इस मामले में पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि एक माह या दो माह का सवाल नहीं है, रायपुर में साढ़े तीन हजार से ज्यादा का बकाया होने पर बिजली कट हो रही है।

खबर संक्षेप

आंगनबाड़ी, सहायिका और मितानिनों ने किया प्रदर्शन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के राजीव गांधी चौक पर रविवार को एआईयूटीयूसी से संबद्ध छत्तीसगढ़ मितानिन-आशा यूनियन और संघर्षशील आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन की ओर से बड़ी संख्या में महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और विभिन्न मांगों को लेकर आक्रोश जताया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में भारी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। महिलाएं पूरे जोर-शोर से अपनी मांगों के लिए नारे लगा रही थीं। मांगें पूरी नहीं होने पर और बड़े आंदोलन की चेतावनी दी गई। इस मौके पर मितानिन यूनियन की बबीता सोना, नीरा देवी, ममता एक्का ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि जीने लायक सम्मानजनक मानदेय दिया जाए, राज्य सरकार की ओर से प्रतिमाह 2200 से बढ़ाकर 10 हजार रुपए किया जाए। प्रदर्शन में एआईयूटीयूसी के राज्य प्रभारी विश्वजीत हारोडे, संघर्षशील यूनियन की अध्यक्ष कल्पना चंद आदि शामिल थे।

टोकन काटना बंद, हजारों किसान धान बेचने से वंचित

रायपुर। किसान नेता उधोराम वर्मा ने मांग कि है कि सरकार स्पष्ट करे, शेष बचे किसानों के धान की कैसे खरीदी करेगी। साथ ही किसानों से समर्पण करना बंद करें, किसानों का पूरा धान खरीदे सरकार, समय नहीं बढ़ाने का निर्णय सरकार का तुगलकी निर्णय है, इसे वापस लेकर समयसीमा बढ़ाएं। श्री वर्मा ने बताया कि सरकार लगातार किसानों को परेशान करने का कार्य कर रही है। समितियों द्वारा लिमिट बढ़ाने की मांग भी अनसुनी करने के बाद लाखों किसान धान बेचने से वंचित हो जाएंगे। किसान एवं समिति प्रभारी दोनों को समझ नहीं आ रहा है कि क्या करें? किसानों की लिस्ट भेजने के बाद क्या निर्णय लेंगे, बता नहीं पा रहे हैं, लिमिट भी नहीं बढ़ाई गई है, ऐसी स्थिति में अंतिम तिथि 31 जनवरी से 30 करने के बाद प्रभारी एवं किसान इन दिनों चिंतित हैं। समिति में बिना लिमिट बढ़ाए खरीदी असंभव है, फिर अगर अचानक लिमिट बढ़ाने से खरीदी केंद्र की व्यवस्था नहीं कर पाएगी, क्योंकि तिगुना करने पर ही खरीदी हो पाएगी। इसके लिए तौल करने वाले हमाल एवं पूरा अमला 24 घंटे काम करने के स्थिति में ही खरीदी की स्थिति में पहुंच पाएगी, सरकार कोई भी निर्णय नहीं ले रही है।

शहर में 3 से 4 हजार राशनकार्ड केवाईसी नहीं होने से निरस्त

केवाईसी नहीं कराने से 40 फीसदी कार्डधारियों का राशन अटका, बुजुर्गों के थंब इंप्रेशन में दिक्कत

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राजधानी में गरीब और मध्यम वर्ग के 40 फीसदी राशन कार्डधारी केवाईसी नहीं होने के कारण राशन पाने के लिए भटक रहे हैं। इनमें से कुछ कार्डधारी परिवार ऐसे हैं, जिनके यहां बुजुर्ग सदस्य के केवाईसी कराने में अंगूठे की रेखाएं आड़े आ रही हैं। उम्रदराज होने से हाथ की रेखाएं घिस गई हैं, इसके चलते मशीन थंब इंप्रेशन का प्रिंट एक्सेप्ट नहीं कर रही है। लोगों का ये भी कहना है, पहले फेस रीडिंग और थंब इंप्रेशन दोनों तरह के विकल्प दिए जा रहे थे, पर अब फेस रीडिंग की जगह केवल थंब इंप्रेशन जरूरी है। वरिष्ठजनों के थंब इंप्रेशन में आ रही दिक्कत को देखते हुए पूर्व में नामिनी का विकल्प रहा, पर वह सुविधा बंद कर दी गई। यही वजह है कि शहर के अलग-अलग वार्डों में केवाईसी नहीं होने से कार्डधारकों का राशनकार्ड ब्लॉक हो गया है। इसकी शिकायत वे वार्ड पार्षद से लेकर खाद्य विभाग तक कर रहे हैं। इस पर एक रिपोर्ट :

रायपुर शहर में एपीएल और बीपीएल श्रेणी के 3 से 4 हजार राशनकार्ड ब्लॉक हो चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा एपीएल श्रेणी के राशनकार्ड हैं। जबकि जिलेभर में 8 से 10 हजार हितग्राहियों के केवाईसी नहीं कराने से राशनकार्ड निरस्त हो गए। सबसे बड़ी दिक्कत सीनियर सिटीजन को लेकर है, इनमें से ज्यादातर लोगों के थंब इंप्रेशन मशीन नहीं ले रही है, इसके चलते उनका केवाईसी कराने में अड़चनें आ रही हैं। वहीं जिन राशनकार्डों में चार सदस्य से ज्यादा संख्या है, उनमें यदि पांचवें सदस्य का केवाईसी नहीं कराया गया तो ऐसे में पूरा कार्ड ही ब्लॉक हो जा रहा है। कुछ कार्ड इसलिए भी निरस्त कर दिए, क्योंकि संबंधित सदस्य मोहल्ला छोड़कर दूसरी जगह चले गए। कुछ कार्ड ऐसे भी मिले,

जिनमें मृतकों का नाम कटा नहीं है।

कार्डधारी हैरान, केवाईसी के दो माह बाद मिल रहा राशन

ब्राह्मणपारा वार्ड, संत रामदास वार्ड, यतियतन लाल वार्ड, लालबहादुर शास्त्री वार्ड में ऐसे भी राशन कार्डधारी हैं, जिन्होंने परिवार के सदस्यों के साथ राशन दुकानों पर जाकर केवाईसी कराए। इसके बाद भी उन्हें राशन नहीं मिल रहा है। उन्हें कहा जा रहा है कि दो माह बाद राशन के लिए आना। अभी उनके नाम का राशन आवंटन नहीं आया है। ऐसे में उन्हें आवंटन मिलने तक इंतजार करना होगा। जबकि गरीब परिवार के सामने भूखों मरने की नौबत आ रही है। राशनकार्ड होते हुए भी उन्हें राशन नहीं मिल पा रहा है।

जिले में 8 से 10 हजार राशनकार्ड निरस्त

रायपुर जिले में 8 से 10 हजार राशनकार्ड केवाईसी नहीं कराने की वजह से निरस्त किए गए हैं। माह की 10 तारीख के बाद राशनकार्ड का केवाईसी कराने पर संबंधित हितग्राही को दूसरे माह का राशन संबंधित राशन दुकान से मिल सकेगा, क्योंकि हर माह 10 तारीख से पहले सभी राशन दुकानों के लिए आवंटन किया जाता है। इसलिए जिन कार्डधारियों ने 10 तारीख से पहले राशनकार्ड का केवाईसी करा लिया है, उन्हें समय पर राशन देने की व्यवस्था है।

- भूपेंद्र मिश्रा, खाद्य नियंत्रक, जिला रायपुर

केस 1- यतियतन लाल वार्ड

गोवर्धन नगर के रहने वाले हीरालाल को तीन माह से राशन नहीं मिला है। राशन दुकान में पूछने पर उन्हें बताया गया कि कार्ड का केवाईसी नहीं कराने से उनका राशनकार्ड निरस्त हो गया है। उन्होंने वार्ड पार्षद से भी गुहार लगाई। पार्षद ने जब इसकी जानकारी ली तो कहा जा रहा है, अब नया कार्ड बनाना पड़ेगा। इसके लिए आवेदन फार्म भरकर देना होगा, केवाईसी कराने के दो माह बाद राशन मिल सकेगा। वार्ड पार्षद नंदकिशोर साहू ने बताया कि उनके पास इस तरह की शिकायतें टिंबर मार्केट भनपुरी से भी आई हैं। वहां राशन कार्डधारी का ओल्ड एज फैक्टर की वजह से थंब इंप्रेशन नहीं हो पाया।

केस 2- रामनगर, कलिंग नगर, भवानी नगर

नगर निगम जोन-7 के संत रामदास वार्ड स्थित रामनगर, कलिंग नगर और भवानी नगर में दर्जनभर से ज्यादा कार्डधारी राशन नहीं मिलने से सोसायटी और पार्षद कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। इनमें से कुछ कार्डधारी ऐसे हैं, जिन्होंने समय रहते केवाईसी तो करा लिया है, पर उनके नाम का राशन आवंटन नहीं आया। कार्डधारी को यह कहा जा रहा है कि सॉफ्टवेयर में केवाईसी कराने के दूसरे माह में आवंटन की प्रक्रिया शुरू होती है, इसलिए समय लग रहा है। भुक्तभोगी राशन के लिए भटक रहे हैं।

केस 3- ब्राह्मणपारा वार्ड

ब्राह्मणपारा वार्ड में वार्डवासियों के लिए तीन जगहों पर सरकारी राशन दुकानें संचालित हैं। इनमें से एक पंचपथ पारा, दूसरी राशन दुकान अवधियापारा और तीसरी राशन दुकान सारथी चौक पर संचालित है। इन तीनों दुकानों में राशन कार्डधारियों के लिए फेस रीडिंग से केवाईसी की सुविधा नहीं है। केवल थंब इंप्रेशन का विकल्प मिला है। इससे बड़ी संख्या में राशन कार्डधारियों का केवाईसी नहीं हो पाया है। लोगों ने वार्ड पार्षद अजय साहू के साथ मिलकर इसकी शिकायत खाद्य विभाग में की है। उन्हें विभाग के अधिकारी द्वारा आश्वस्त किया गया है कि मंगलवार से उनके वार्ड में फेस केवाईसी की सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। इसके लिए विभाग की ओर से एप जल्द शुरू होगा।

सीएम और मंत्रियों के विभागों पर चर्चा के साथ तैयार हुआ नया बजट कैबिनेट की मंजूरी के बाद करेंगे पेश

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार का वर्ष 2026-27 का नया बजट बनकर तैयार हो गया है। खास बात ये है कि बजट बनाने की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया के तहत मुख्यमंत्री और सभी मंत्रियों के विभागों के बजट प्रस्ताव और नवीन मद के प्रस्तावों पर वित्त मंत्री से चर्चा पूरी हो चुकी है। यह बजट अब राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में रखा जाएगा, बाद में विधानसभा के बजट सत्र में इसे वित्त मंत्री पेश करेंगे।

पहली बार ग्रीन बजट लाने की तैयारी, बढ़ सकता है बजट का आकार

राज्य का नया बजट बनाने की तैयारी में सरकार का वित्त विभाग महीनों से तैयारियों में जुटा था। इस प्रक्रिया के तहत विभागाध्यक्ष, सचिव स्तर की चर्चाएं पहले ही हो चुकी थीं। मंत्री स्तरीय चर्चा सबसे अंत में रखी गई थी। यह काम भी पूरा हो गया है। वित्त विभाग के सूत्रों के अनुसार बजट संबंधी दस्तावेज को अब प्रिंटिंग के लिए भेजा जा रहा है। प्रिंट होने के बाद यही प्रारूप राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक में पेश होगा। वहां से मंजूरी के बाद राज्य विधानसभा के बजट सत्र में वित्त मंत्री नया बजट पेश करेंगे।

इस बार आएगा ग्रीन बजट

राज्य में इस बार पहली बार ग्रीन बजट पेश करने की तैयारी है। बताया गया है कि वर्तमान में जेंडर बजट के अंतर्गत 100 प्रतिशत महिला केंद्रित व 30 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की भागीदारी वाली योजनाएं शामिल की जाती हैं। इसमें एक अतिरिक्त श्रेणी के रूप में 30 प्रतिशत से कम भागीदारी वाली योजनाओं को भी शामिल किया जाएगा। साथ ही परिणामी बजट, जेण्डर बजट, युवा बजट, कृषि बजट, चाइल्ड बजट भी आएगा।

बढ़ेगा बजट का आकार

छत्तीसगढ़ सरकार के नए बजट का आकार पिछले वित्तीय वर्ष के बजट से बड़ा होने की संभावना है। सूत्रों की मानें तो बजट का आकार 8 से 10 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। हालांकि पिछले मूल बजट के आकार में भी 35 हजार करोड़ के अनुपूरक की वजह से बजट का आकार पहले ही बढ़ चुका है।

डॉयल 108 का हो चुका नया ठेका, पर वर्क आर्डर रुका अभी भी पुरानी एजेंसी की पुरानी गाड़ियां दौड़ रही

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

मरीजों को गंभीर स्थिति में अस्पताल पहुंचाने इस बार 375 एंबुलेंस राज्य में दौड़ाने की योजना बनाई गई है। साथ ही ठेका कंपनी द्वारा इमरजेंसी में आने वाले कॉल पर रिस्पांस नहीं देने पर 25 हजार के बजाय ढाई हजार जुर्माने का प्रावधान किया गया है। 108 संजीवनी एक्सप्रेस के संचालन के लिए नई एजेंसी के रूप में जीवीके (ईएमआरआई) टेक्निकल बिड में पात्र हो चुकी है और फाइनेंशियल बिड पूरी होने का इंतजार किया जा रहा है। ऐसा कहा जा रहा है कि ठेके के प्रोसेस को बेवजह लंबा खींचा जा रहा है। तब तक पुरानी एजेंसी की गाड़ियां ही दौड़ती रहेंगी।

सीजीएमएससी द्वारा करीब आठ महीने से ठेका देने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है, जो अब तक पूरी नहीं हुई है। दो बार टेंडर निरस्त होने पश्चात तीसरी बार में एकमात्र कंपनी की उपस्थिति में टेक्निकल बिड की प्रक्रिया पूरी कर नियम-शर्तों के आधार पर 95 फीसदी से ज्यादा अंक देकर इसे पात्र करार दिया गया। ठेका प्रक्रिया पूरी करने के लिए फाइनेंशियल बिड पूरा होने का इंतजार किया जा रहा है। इसमें एंबुलेंस सेवा का संचालन करने के लिए खर्च के आधार पर दर तय किया जाएगा।

नई एजेंसी लाएंगी 375 एंबुलेंस, कॉल रिस्पांस नहीं करने पर 2500 जुर्माना

स्वास्थ्य विभाग इस बार राज्य में मरीजों को सही समय पर अस्पताल पहुंचाने के लिए गाड़ियों की संख्या 3 सौ से बढ़ाकर 375 करने की तैयारी में है। इसके लिए कंपनी को वाहनों की व्यवस्था करनी होगी। सबसे अहम मामले यानी आपातकाल में आने वाले कॉल पर रिस्पांस में होने वाली चूक पर की जाने वाली पेनाल्टी को 25 सौ कर दिया गया है। पुरानी कंपनी से इस लापरवाही के लिए 25 हजार रुपए जुर्माना वसूला जाता था।

वाहनों में डिजिटल रिकार्ड

अभी एंबुलेंस की मदद लेने वाले मरीजों का रिकार्ड मैनुअली दर्ज किया जाता है। नए वाहनों में इसके लिए एमडीटी सिस्टम लगाने का जिक्र किया गया है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा ठेका एजेंसी को 30 हजार रुपए प्रति एंबुलेंस हर महीने भुगतान करने का जिक्र है। जबकि एंबुलेंस में यह सिस्टम लगाने का खर्च प्रति गाड़ी 60 हजार अनुमानित है।

शुरुआती दौर में संचालन

राज्य में शुरुआती दौर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई एंबुलेंस और इस निशुल्क सेवा का संचालन इसी कंपनी द्वारा किया गया था। करीब दस साल तक शासकीय वाहन दौड़ने के बाद नई गाड़ियों के साथ हुए नए ठेके में जीवीके (ईएमआरआई) के स्थान पर जय अंबे इमरजेंसी सर्विस को इसकी जिम्मेदारी मिली थी और वर्तमान में उसी ठेका एजेंसी द्वारा वाहनों का संचालन किया जा रहा है।

महिला डॉक्टर का मोबाइल पार अकाउंट से उड़ाए सवा दो लाख

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

स्वास्थ्य संचनालय में पदस्थ एक महिला नेत्र चिकित्सक ने आजाद चौक थाने में अज्ञात चोर के खिलाफ मोबाइल पार कर उनके बैंक अकाउंट के यूपीआई अकाउंट से ऑनलाइन 2.26 हजार रुपए चोरी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिकायत पर पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच कर रही है। समता कालोनी निवासी डॉ. निधि ग्वालरे ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। डॉ. निधि ने पुलिस को बताया कि वे 13 जनवरी को तड़के साढ़े पांच बजे समता एक्सप्रेस से दिल्ली से रायपुर लौटीं। इसके बाद ऑटो में सवार होकर वे अपने घर पहुंचीं, जहां अपने बैग की तलाशी ली तो बैग से मोबाइल गायब मिला। इसके बाद महिला डॉक्टर ने थाने पहुंचकर अपना मोबाइल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराते हुए सिम को ब्लॉक करा दिया।

महिला चिकित्सक ने पुलिस को बताया कि मोबाइल का सिम ब्लॉक कराने के बाद उसने उसी नंबर का नया सिम अलॉट कराया। इसके बाद महिला डॉक्टर के मोबाइल पर शनिवार को पांच हजार रुपए डेबिट होने का मैसेज आया। पैसे डेबिट होने के बाद महिला डॉक्टर बैंक में स्टेटमेंट लेने गई। वहां उसे जानकारी मिली कि जिसने उसका मोबाइल चोरी किया है, उसी ने बैंक अकाउंट से यूपीआई के माध्यम से 13 जनवरी से 16 जनवरी के बीच रकम आहरित की है।

इस तकनीकी गड़बड़ी का लाभ उठाया जालसाज ने

सिम ब्लॉक होने के बाद चोर द्वारा महिला के अकाउंट से यूपीआई से रकम आहरित करने को लेकर एक्सपर्ट से बात करने पर बताया कि सिम ब्लॉक होने पर मोबाइल चोरी करने वाला महिला डॉक्टर के अकाउंट से रकम आहरित नहीं कर पाया। महिला डॉक्टर ने जैसे ही नया सिम अलॉट कराया। सिम चालू करने ओटीपी आने पर महिला डॉक्टर का मोबाइल चालू हुआ। उसके बाद चोरी मोबाइल के ब्लॉक सिम में यूपीआई स्वतः एक्टिवेट हो गया। इसके बाद चोर ने महिला के अकाउंट के यूपीआई से रकम आहरित कर ली। एक्सपर्ट के अनुसार ब्लॉक सिम में यूपीआई एक्टिवेट रहता है।

मोबाइल चोरी होने पर तत्काल यूपीआई पासवर्ड बदलें

मोबाइल चोरी होने पर या सिम गुम होने के बाद नया सिम अलॉट कराने पर मोबाइल धारक को अपने यूपीआई के पासवर्ड बदलना चाहिए।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 19 जनवरी 2026

पानी, बिजली, सड़क, अस्पताल और न जाने कितनी सुविधाओं का हवाला देकर आदर्श ग्राम की परिकल्पना की, गांव गोद लिए गए, बोर्ड लग गए, कहीं कहीं काम भी शुरू हुए, पर रिजल्ट शून्य। आज धरातल पर कुछ नजर नहीं आ रहा। आधे-अधूरे कामों ने ज्यादातर गांवों की दुर्गति कर रखी है। कुछ ही गांव हैं, जहां सुविधाएं पहुंची। कुछ गांवों में तो सिर्फ बोर्ड ही लगा है। हरिभूमि ने कुछ ऐसे ही चुनिंदा गांवों के हालात देखे जो सिर्फ कागजों पर ही आदर्श बने हुए हैं।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत रायपुर जिले में चयनित 43 ग्रामों को फंड जारी नहीं होने से अटके विकास कार्य

वर्ष 2009 में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हुई थी योजना शुरू अक्टूबर 2014 को लागू

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना वित्तीय वर्ष 2009-10 में पायलट आधार पर शुरू की गई थी, जिसका लक्ष्य अनुसूचित जाति बहुल गांवों का एकीकृत विकास करना है, लेकिन बाद में इसे सांसद आदर्श ग्राम योजना (एसएजीवाय) से अलग रखा गया है। इस तरह 11 अक्टूबर 2014 को इस योजना की मुख्य रूप से शुरुआत हुई।

फंड जारी नहीं होने से 43 गांव नहीं बन पाए आदर्श ग्राम

इस योजना के तहत रायपुर जिले में वर्ष 2014 से वर्ष 2021 तक कुल 68 ग्रामों को शामिल किया गया था। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2022-23 में 35 अन्य ग्रामों का चयन आदर्श ग्राम बनाने के लिए किया। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी 6 ग्रामों का चयन हुआ है। इस तरह जिले में कुल 109 ग्रामों का चयन हुआ है, जिनमें से 66 ग्रामों को योजना के तहत फंड जारी कर उन्हें आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया है।

काशीगढ़, जांजगीर चांपा

कागजों में आदर्श...सिर्फ नाम सुना, देखा नहीं

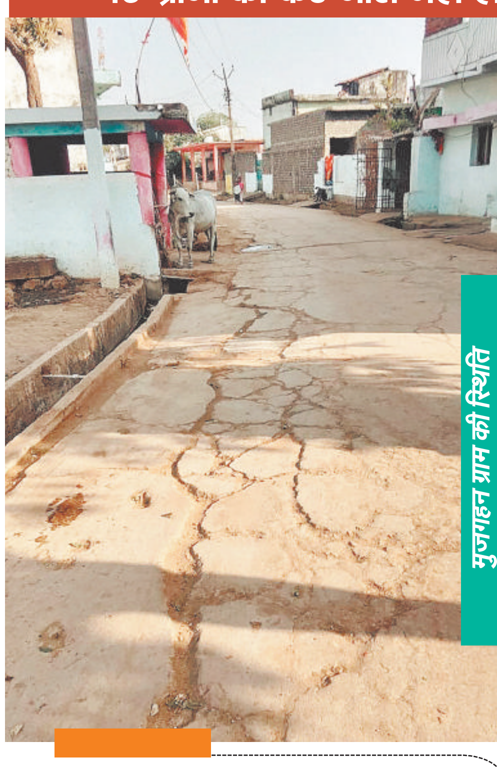

मुजगहन ग्राम की स्थिति

रायपुर-लक्ष्मण लेखवानी /बिलासपुर-विकास चौबे/ बैकुंठपुर-प्रविन्द सिंह/ जांजगीर-चांपा-शशांक दुबे/ रायगढ़-स्वतंत्र महंत की रिपोर्ट

हरिभूमि लाइव

बात रायपुर जिले से। यहां प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना (पीएमएजीवाय) के तहत अनुसूचित जाति (एससी) बहुल क्षेत्र वाले ग्रामों में सड़क संपर्क, दूरसंचार, स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य उपकेंद्र, पेयजल, जल निकासी और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाएं देकर उन्हें आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करना था। इस योजना के तहत ▶▶| शेष पेज 4 पर

ये ग्राम अब तक नहीं बन पाए आदर्श ग्राम

आरंग ब्लॉक अंतर्गत 15 गांव शामिल बोड़रा, कुहेरा, सेंध, खुटेरी, पचेड़ा, रीको, चकवे, छतौना, कठिया-1, नवागांव-1, जुगेसर, कोटनी, धनसुली, अकोलीखुर्द, नरियारा शामिल है। अभनपुर ब्लॉक अंतर्गत 9 ग्राम शामिल हैं, जिनमें मुड़पार अलाइस भेवाडीह, खंडवा, उमरपोटी, तर्रा-2, कठिया-2, लमकेनी, पचेड़ा-2, नायकबांधा एवं सिंगारभाठा शामिल है। धरसींवा ब्लॉक में 14 गांवों को शामिल किया है। इनमें कुथरेल, पिरदा, कन्हेरा, दोंदेखुर्द, दोंदेकला, संकरी-3, खपरीडीह, पचरी, नवागांव, चिचोली, सोनतरा, भरुवाडीह, गैतरा एवं मोतीपुरकला शामिल है। इसके अलावा रायपुर ग्रामीण में मुजगहन एवं सेजबहार तथा बलौदाबाजार अंतर्गत केवतरा गांव इस सूची में शामिल है।

फंड आया है, जारी किया जाएगा

वित्तीय वर्ष 2022-23 में रायपुर जिले के स्वीकृत ग्रामों के लिए 1.92 करोड़ रुपए फंड आया है। इस फंड को जारी किया जाएगा। वर्ष 2025 में स्वीकृत 6 नए ग्रामों का वीडीपी तैयार किया जा रहा है।

*- **शरद शुक्ला**, जिला अधिकारी, आदिवासी विकास विभाग रायपुर*

आदर्श ग्राम बना सपना, कई गांव के सरपंचों ने हरिभूमि से बातचीत में कही बात

केस 1

मुजगहन की सरपंच उषा राकेश टंडन ने बताया कि उनके क्षेत्र के विधायक के अनुमोदन पर उनके गांव को वर्ष 2022 में आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने सूची में शामिल किया था, लेकिन इस योजना के तहत एक रूपए भी गांव को नहीं मिला है। उनके गांव में पानी की विकराल समस्या बनी हुई है, सड़क जर्जर, नाली की कमी, तालाब का पानी गंदा हो गया है। फंड नहीं आने से ये सभी विकास कार्य हो नहीं पा रहे हैं।

केस 2

ग्राम खंडवा अभनपुर के सरपंच जगदीश भारती ने बताया कि आदर्श ग्राम के रूप में उनका गांव भी चयन हुआ है। वर्ष 2024 में इस योजना के तहत क्या-क्या कार्य कराए जाने है। इस संबंध में प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था, लेकिन त्रुटि होने के कारण दो बार उनके प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी गई। उनके गांव में नाली, सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है।

कागजों में ही मस्तूरी क्षेत्र का वेद परसदा गांव आदर्श के रूप में शोभा बढ़ा रहा

25 साल बाद भी पगडंडियों पर चलने की मजबूरी

पूर्व सांसद व डिप्टी सीएम अरुण साव ने अपने कार्यकाल के दौरान संसदीय क्षेत्र के चार गांव को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने गोद लिया था। इसमें तखतपुर विधानसभा से ग्राम छतौना, कोटा विधानसभा से ग्राम अमने, बेलतरा विधानसभा से ग्राम मदनपुर और मस्तूरी विधानसभा से ग्राम वेद परसदा शामिल हैं। मदनपुर को अपवाद स्वरूप छोड़ दें तो चार में से तीन आदर्श ग्राम की स्थिति वैसे ही है जैसे आदर्श ग्राम के रूप में चयन करने से पहले थी। कागजों में ही ये गांव आदर्श ग्राम के रूप में शोभा बढ़ा रहे हैं। मौके पर बुनियादी सुविधाओं का अभाव और अतिक्रमण की मार से ग्रामीण परेशान। हरिभूमि ने वेद परसदा और छतौना ग्राम का दौरा किया तो यहां की आबादी आद भी सड़क,नाली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा के मूलभूत सुविधाओं से जूझ रही है। दोनों गांवों में सांसद गोद ग्राम योजना के तहत एक रुपए का भी काम नहीं हुआ है। लोगों को रोजगार और बेहतर जीवन स्तर के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। यहां तक की सरपंचों को यह नहीं मालूम कि आखिर योजना के तहत होना क्या है और कितनी राशि ▶▶| शेष पेज 4 पर

घरघोड़ा ब्लॉक की भेंड्रा ग्राम पंचायत

ये है भेंड्रा आदर्श ग्राम ... पर पीने के पानी के लिए पूरे गांव कर रहा त्राहिमाम

कहने को तो घरघोड़ा ब्लॉक का भेंड्रा ग्राम पंचायत सांसद आदर्श ग्राम है, सुनने में अच्छा लगता है। मन में आदर्श गांव की छवि झलकती है, जहां साफ-सुथरी सड़कें, साफ नालियां, पीने के लिए स्वच्छ जल और 24 घंटे रोशनी से जगमगाता गांव, लेकिन हकीकत में जब आप उस गांव में पहुंचते हैं तो यह केवल खुली आंखों से देखा ख्वाब जैसे ही लगेगा। वजह न तो वहां साफ-सुथरी सड़कें हैं, न नाली और न ही पीने का ▶▶| शेष पेज 4 पर

कोरिया जिले का ग्राम खड़गवां

वर्षों बाद भी नहीं बदली सांसद आदर्श ग्राम खड़गवां की तस्वीर

केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी सांसद आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत अविभाजित कोरिया जिले के ग्राम खड़गवां को सांसद आदर्श ग्राम के रूप में चयनित किया गया था। वर्षों बीत जाने के बावजूद गांव की सूरत नहीं बदली। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम खड़गवां केवल कागजों में ही आदर्श ग्राम है, जबकि जमीनी हकीकत में गांव की ▶▶| शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

कार ने 13 मजदूरों को रौंदा, दो की गई जान

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर में रविवार दोपहर एक तेज रफ्तार कार ने निर्माण कार्य में लगे 13 मजदूरों को कुचल दिया, जिनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई जबकि शेष 11 घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

61.2 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद, दो गिरफ्तार

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सुंदरनगर कस्बे में करीब 61.2 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद किया गया। इस मामले में पंजाब के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अलसू चौक पर एक जांच चौकी स्थापित की थी। जांच के दौरान एक वाहन को रोका गया, जिसमें प्रतिबंधित पदार्थ मिला।

पूर्व मंत्री और भाजपा नेता राज पुरोहित का निधन

मुंबई। भाजपा के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री राज के. पुरोहित का बीमारी के कारण रविवार को 71 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह मुंबई में उत्तर भारतीय समुदायों के मुद्दों को जोर-शोर से उठाने के लिए जाने जाते थे।शनिवार को मुंबई के एक निजी अस्पताल में पुरोहित ने अंतिम सांस ली।

छह माओवादी कैडरों के शव बरामद, चार नक्सलियों की हुई शिनाख्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि फॉलोअप

अंतिम सांसें गिन रहा लाल आतंक, मुठभेड़ में मारे गए शीर्ष माओवादी समेत चार नक्सली

बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों एवं माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में 4 महिला सहित 6 माओवादी कैडरों के शव बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ स्थल से एके-47, इनसास, कार्बाइन एवं .303 राइफल सहित कुल 6 ग्रेडेड हथियार बरामद किए गए हैं। आसपास के क्षेत्र में सर्चिंग अभियान जारी है। पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि नेशनल पार्क क्षेत्र में 17 जनवरी से जारी सर्च ऑपरेशन में आज भी क्षेत्र में कई बार मुठभेड़ हुई।

पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुंदरराज पट्टिलिंगम ने कहा कि डीआरजी, कोबरा, एसटीएफ एवं स्थानीय पुलिस बल तथा केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवान बस्तर में शांति, सुरक्षा और जनकल्याण सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने बताया बीजापुर मुठभेड़ के दौरान अब तक की कार्यवाही में 6 माओवादी कैडरों के शव, जिनमें चार महिला नक्सली कैडर शामिल हैं। उनके पास से 2 एके-47 राइफल, 1 इनसास राइफल, दो ▶▶| शेष पेज 4 पर

4 नक्सलियों पर था 20 लाख का ईनाम

डीवीसीएम दिलीप बेड़जा पर 8 लाख रुपए, एसीएम माड़वी कोसा पर 5 लाख रुपए, एसीएम पाली पोड़ियम पर 5 लाख रुपए और पीएम जुगलो बंजाम पर 2 लाख रुपए का ईनाम घोषित था।

चार की शिनाख्त, दो की पहचान की जा रही

नेशनल पार्क एरिया कमेटी के कुख्यात माओवादी कैडर्स डीवीसीएम दिलीप बेड़जा, एसीएम माड़वी कोसा, एसीएम लक्खी मड़काम तथा पीएम राधा मेट्टा के रूप में चिन्हित किए गए हैं। मुठभेड़ में मारे गए 2 अन्य माओवादियों की पहचान की कार्यवाही जारी है।

धमकी निकली अफवाह

नेपकिन पर लिखा था फ्लाइट में है बम...

नई दिल्ली। दिल्ली से बागडोगरा जा रहे विमान में बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया है। प्लेन में ही सवार एक यात्री को बाथरूम के अंदर एक नैपकिन पर धमकी मिली मिली थी। इस नैपकिन पर लिखा गया था कि प्लेन में बम है। इसके बाद ही अधिकारी हरकत में आए। सूचना मिलने के तुरंत बाद ही विमान को लखनऊ में इमरजेंसी लैंड कराया गया।

संदिग्ध कुछ भी नहीं मिला

लखनऊ में लैंडिंग के बाद यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर बैठाया गया। अधिकारियों की मानें तो कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। जल्द ही झूठी सूचना देने वाले को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

टी-20 में दलालों का दांव पड़ा उल्टा, मुनाफा तो छोड़िए ...दे रहे डिस्काउंट का ऑफर

ललित राठोड़ ▶▶| रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

शहीद वीरनारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 23 जनवरी को होने वाले भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 मैच का क्रेज इस बार दर्शकों के सिर से उतर चुका है। पिछले वनडे मैच और इस टी-20 मैच के हालात में जमीन-आसमान का अंतर है। पिछली बार महज 15 मिनट में 48 हजार टिकट सोल्ड आउट ▶▶| शेष पेज 4 पर

चार दिन बाद भी हाउसफुल नहीं

टी-20 मैच के लिए टिकटों की बुकिंग 15 जनवरी से शुरू हुई थी। बुकिंग शुरू होने के चार दिन बाद भी आधिकारिक वेबसाइट **ticketgenie.in** पर 2000 से 3500 रुपए तक में टिकट आसानी से उपलब्ध हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक करीब ▶▶| शेष पेज 4 पर

फिजिकल टिकट का लालच और डिस्काउंट भी बेअसर

भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले टी-20 मुकाबले के लिए करीब 50 हजार टिकट ऑनलाइन बेचे गए हैं। दलालों ने मुनाफे की उम्मीद में बुकिंग शुरू होते ही थोक में टिकट खरीद लिए, लेकिन अब जब दर्शकों का रुझान कम देखा तो मैच से पांच दिन पहले ही दलालों ने सरेंडर कर दिया है। हरिभूमि से बातचीत के दौरान ▶▶| शेष पेज 4 पर

कुछ के प्रमाण पत्र नकली सिद्ध हुए, मामला सुप्रीम कोर्ट में

राज्य में फर्जी प्रमाण पत्र से नौकरी पाने के 153 मामले सामने आए

आरएईओ के पद पर सीधी भर्ती, 14 दिव्यांग सलेक्ट पर प्रमाणपत्रों की जांच से पहले 13 गायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर खुद को बहरा बताकर नौकरी पाने वालों पर शिकंजा कसने के बाद अब ये लोग जान बचाने जांच-पड़ताल के पहले ही डरकर इधर-उधर होने लगे हैं। ताजा मामला कृषि विभाग में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी यानी आरईएओ के 14 पदों पर भर्ती का है। व्यापमं की परीक्षा पास कर नौकरी पाए ऐसे लोगों को जब मूल प्रमाण पत्रों की जांच के लिए बुलाया गया तो इनमें से 13 गायब ही हो गए।

ये है मामला

राज्य सरकार के संचालनालय कृषि ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के 321 पदों पर सीधी भर्ती के लिए व्यावसायिक परीक्षा मंडल के माध्यम से परीक्षा आयोजित की थी। परीक्षा पास करने वालों में से 14 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था। ये सभी श्रवण बाधित श्रेणी (बहरे) के थे, लेकिन इनमें ▶▶| शेष पेज 4 पर

ये हो सकते हैं फर्जी

छत्तीसगढ़ दिव्यांग संघ के प्रदेश अध्यक्ष बोहित राम चंद्राकर ने इस मामले में कहा है, हमें इस बार पूरी आशंका है कि ये मूल प्रमाण पत्रों की जांच से भागे 13 अभ्यर्थी फर्जी प्रमाण पत्र धारी हो सकते हैं, लेकिन ये केवल 13 ही नहीं हैं, प्रदेश में अब तक 153 मामले सामने आ चुके हैं और हम इन फर्जी प्रमाण पत्र धारियों के खिलाफ सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई लड़ रहे हैं।

आशंका इसलिए

मूल प्रमाण पत्रों की जांच से गायब होने वालों को फर्जी प्रमाण पत्र धारी के रूप में देखे जाने के पीछे दरअसल आशंका की वजह ये है कि राज्य में अब तक 153 लोगों के नाम फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी करने के मामले में सामने आ चुके हैं। जो लोग पकड़ में आए हैं, वे सुप्रीम कोर्ट की शरण में पहुंचे हैं। दूसरी तरफ राज्य में इस प्रकार के फर्जियों के खिलाफ कार्रवाई भी की जा रही है।

चिंतन

जनहित को राजनीति से ऊपर रखें राज्य सरकारें

भारत का संघीय लोकतंत्र केंद्र और राज्यों के सहयोग पर आधारित है। संविधान की मूल भावना यह है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर जनता के हित में काम करें और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, लेकिन बीते कुछ वर्षों में यह सहयोग कई बार राजनीतिक टकराव में बदलता दिखाई देता है। हाल ही में पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ममता बनर्जी सरकार पर आरोप लगाया कि राज्य में केंद्र सरकार की योजनाएं लागू नहीं की जा रहीं, जिससे लोग उनके लाभ से वंचित रह जा रहे हैं। यह आरोप केवल बंगाल तक सीमित नहीं है, बल्कि केरल, तेलंगाना, तमिलनाडु और पंजाब जैसे गैर-भाजपा शासित राज्यों पर भी केंद्र की योजनाओं की अनदेखी के आरोप लगते रहे हैं। इससे पहले दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार और केंद्र के बीच भी नीतियों को लेकर लगातार खींचतान देखने को मिली थी। केंद्र सरकार की योजनाएं देश के सभी नागरिकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं। आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन या किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का उद्देश्य यह है कि सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक सरकारी मदद पहुंचे। इन योजनाओं के लिए धन पूरे देश के करदाताओं से आता है। ऐसे में यदि कोई राज्य सरकार राजनीतिक कारणों से इन्हें लागू नहीं करती या आधे-अधूरे मन से लागू करती है, तो यह सीधे-सीधे जनता के अधिकारों पर चोट है। गैर-भाजपा शासित राज्यों का तर्क अक्सर यह होता है कि केंद्र योजनाओं के नाम पर राज्यों पर अपनी नीतियां थोपना चाहता है, या फिर वह राज्यों को पर्याप्त वित्तीय सहायता नहीं देता। कुछ राज्यों का यह भी कहना है कि उनके पास पहले से बेहतर या समानांतर योजनाएं मौजूद हैं, इसलिए वे केंद्र की योजनाओं को लागू करना जरूरी नहीं समझते। यह तर्क कुछ हद तक समझ में आता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इन राजनीतिक और प्रशासनिक मतभेदों की कीमत आम जनता को चुकानी चाहिए? हकीकत यह है कि जब केंद्र और राज्य सरकारें आमने-सामने खड़ी हो जाती हैं, तो सबसे ज्यादा नुकसान गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं और बच्चे उठाते हैं। यदि किसी राज्य में स्वास्थ्य योजना लागू नहीं होती, तो उसका खामियाजा बीमार और असहाय व्यक्ति को भुगतना पड़ता है। अगर आवास या पोषण से जुड़ी योजनाएं रोकी जाती हैं, तो उसका असर सीधे जीवन स्तर पर पड़ता है। आम नागरिक के लिए यह मायने नहीं रखता कि योजना केंद्र की है या राज्य की, उसके लिए अहम यह है कि मदद समय पर मिले। प्रधानमंत्री द्वारा बंगाल में ममता सरकार पर किया गया हमला इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। राज्य सरकारों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में सत्ता अस्थायी होती है, लेकिन जनता की जरूरतें स्थायी। जनभावना से राजनीति को दूर रखना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि किसी योजना में खामियां हैं, तो उसे बेहतर बनाने के लिए केंद्र से संवाद किया जाना चाहिए, न कि उसे पूरी तरह ठुकरा दिया जाए। राज्य चाहें तो योजनाओं में स्थानीय जरूरतों के अनुसार बदलाव करें, उनका नाम बदलें या उन्हें अपनी योजनाओं के साथ जोड़ें, लेकिन लाभ लोगों तक पहुंचना चाहिए। कुल मिलाकर लोकतंत्र की सफलता इसी में है कि केंद्र और राज्य मिलकर काम करें। राजनीति अगर जनहित पर भारी पड़ेगी, तो उसका नुकसान पूरे देश को उठाना पड़ेगा।

जनसमस्या
सुशील देव

आखिर क्या हैं पेयजल संकट के उपाय

> ग्रामीण भारत से लेकर महानगरों तक, पेयजल की समस्या किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रही। कई गांवों में आज भी हैंडपंप सूख चुके हैं या उनका पानी फ्लोराइड, आर्सेनिक और आयरन जैसे खतरनाक तत्वों से दूषित है। शहरी इलाकों में पाइपलाइन से पानी तो आता है, लेकिन उसकी गुणवत्ता संदिग्ध रहती है। गरीब बस्तियों में लोग मजबूरी में गंदा पानी पीने को विवश हैं, जिसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ता है। नीति आयोग की कई रिपोर्ट बताती हैं कि देश की बड़ी आबादी गंभीर जल संकट से जूझ रही है। साफ पानी केवल सुविधा नहीं, बल्कि नागरिकों का मौलिक अधिकार है और इसे सुनिश्चित करना सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की हालिया घटना ने हर किसी को साफ पेयजल के मसले पर सोचने को मजबूर किया है। यह कड़वा सच है कि देश के कई हिस्सों में आज भी जनता को साफ और सुरक्षित पीने का पानी नसीब नहीं है। यह स्थिति उस भारत में है, जो चंद्रयान से लेकर डिजिटल क्रांति तक अपनी उपलब्धियों पर गर्व करता है। साफ पानी जीवन की सबसे बुनियादी जरूरत है, लेकिन दुर्भाग्यवश यह जरूरत करोड़ों लोगों के लिए अब भी एक सपना बनी हुई है। सरकारें बदलती रहीं, योजनाएं आती-जाती रहीं, पर जमीनी हकीकत यह है कि सरकारी उदासीनता और नीतियों के कमजोर क्रियान्वयन ने पेयजल संकट को और गहरा ही किया है।

ग्रामीण भारत से लेकर महानगरों तक, पेयजल की समस्या किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रही। कई गांवों में आज भी हैंडपंप सूख चुके हैं या उनका पानी फ्लोराइड, आर्सेनिक और आयरन जैसे खतरनाक तत्वों से दूषित है। शहरी इलाकों में पाइपलाइन से पानी तो आता है, लेकिन उसकी गुणवत्ता संदिग्ध रहती है। गरीब बस्तियों में लोग मजबूरी में गंदा पानी पीने को विवश हैं, जिसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ता है। नीति आयोग की कई रिपोर्ट बताती हैं कि देश की बड़ी आबादी गंभीर जल संकट से जूझ रही है। बावजूद इसके इस संकट को राजनीतिक प्राथमिकता के रूप में नहीं देखा गया। चुनावी भाषणों में बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव बीतते ही पेयजल जैसे मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं। पेयजल संकट के लिए प्राकृतिक कारणों को जिम्मेदार ठहराना आसान है, लेकिन सच यह है कि सरकारों की उदासीनता ने इस समस्या को और विकराल बनाया है। कई राज्यों में जलापूर्ति से जुड़ी योजनाएं वर्षों से अधूरी पड़ी हैं। कहीं बजट की कमी का रोना है, तो कहीं भ्रष्टाचार और लाल फीताशाही ने योजनाओं की गति रोक रखी है। ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं का हाल यह है कि नल तो लगा दिए गए, लेकिन उनमें पानी नहीं है। "हर घर नल से जल" जैसे अभियानों की घोषणाएं भले ही प्रभावशाली हों, पर अनेक गांवों में ये योजनाएं केवल सरकारी फाइलों और आंकड़ों तक सीमित हैं। जमीनी स्तर पर न तो नियमित जल आपूर्ति है और न ही गुणवत्ता की प्रभावी जांच।

भारत में जल से जुड़ी नीतियों की कमी नहीं है। समस्या उनके क्रियान्वयन की है। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और भूजल प्रबंधन से संबंधित कानून और दिशा-निर्देश मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन कराने की इच्छाशक्ति का अभाव है। शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन को अनिवार्य करने के नियम बने, पर अधिकतर भवनों में इनका पालन नहीं होता। औद्योगिक इकाइयां नदियों और जलस्रोतों में बेधड़क प्रदूषित पानी छोड़ रही हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या तो मूकदर्शक बने रहते हैं या कार्रवाई के नाम पर औपचारिकताएं निभाई जाती हैं। नतीजा यह है कि जो पानी उपलब्ध है, वह भी पीने योग्य नहीं रह गया। साफ पेयजल की कमी का सबसे बड़ा असर गरीब और वंचित तबकों पर पड़ता है। दूषित पानी से डायरिया, टाइफाइड, पीलिया जैसी बीमारियां आम हैं। हर साल हजारों बच्चे केवल इसलिए अपनी जान गंवा देते हैं क्योंकि उन्हें स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं हो पाता। यह एक गंभीर मानवीय संकट है, जिसे अक्सर आंकड़ों

में छिपा दिया जाता है। सामाजिक दृष्टि से भी जल संकट असमानता को बढ़ाता है। जिनके पास पैसे हैं, वे बोतलबंद पानी या टैंकर खरीद लेते हैं, लेकिन गरीबों के पास कोई विकल्प नहीं होता।

कई जगहों पर पानी को लेकर सामाजिक तनाव और टकराव की स्थिति बन रही है, जो भविष्य के लिए खतरनाक संकेत है। पेयजल आपूर्ति की जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकार दोनों पर है। केंद्र सरकार योजनाएं बनाती है, बजट आवंटित करती है, लेकिन राज्यों में उनके क्रियान्वयन की स्थिति अक्सर निराशाजनक रहती है। कई बार राजनीतिक खींचतान के कारण भी योजनाएं प्रभावित होती हैं। जल जैसे संवेदनशील विषय पर भी राजनीति हावी हो जाती है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है। स्थानीय निकायों और पंचायतों को पर्याप्त अधिकार और संसाधन नहीं दिए जाते, जबकि जल प्रबंधन में उनकी भूमिका सबसे अहम हो सकती है, क्योंकि बिना स्थानीय सहभागिता के कोई भी योजना सफल नहीं हो सकती। सरकार अक्सर संकट के समय तात्कालिक उपायों का सहारा लेती हैं। टैंकर भेज दिए जाते हैं, बोरिंग करवा दी जाती है, लेकिन ये समाधान स्थायी नहीं हैं। दीर्घकालिक योजना और गंभीरता का अभाव साफ झलकता है। जल संरक्षण और स्रोतों के पुनर्जीवन पर जितना काम होना चाहिए था, उतना नहीं हुआ। पेयजल संकट से निपटने के लिए सबसे पहले सरकार को इसे सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। नीतियों को कागज से निकालकर जमीन पर उतारना होगा। योजनाओं की नियमित निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही तय करनी होगी। जल की गुणवत्ता की जांच और उसके सार्वजनिक आंकड़े उपलब्ध कराए जाने चाहिए। साथ ही, जनता की भागीदारी भी जरूरी है। अभी तक हम पानी का उपयोग अनुशासित ढंग से नहीं कर पा रहे हैं।

जरूरत से ज्यादा पानी का नुकसान करना तो जैसे हमारी आदत बन गई हो। ऐसे में हमारी भावी पीढ़ी के लिए भी जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो, इसके लिए हमें कई कदम उठाने होंगे; जैसे घरेलू स्तर पर जल का उचित व संयमित उपयोग एवं उद्योगों में पानी के चक्रीय उपयोग जल संरक्षण में सहायक हो सकते हैं। इस्तेमाल किए हुए पानी का फिर से शौचालयों अथवा बगीचों में फिर से इस्तेमाल और रिसाइकिलिंग करके जल का सदुपयोग कैसे करना है, इस दिशा में जन-जागरूकता बढ़ायी जाए। वर्षा-जल का संग्रहण करके हम पानी को बचा सकते हैं। विभिन्न जलाशयों का निर्माण करके उनमें जल संग्रह करना जल संसाधन का सबसे पुराना उपाय है, इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। भूमिगत जल संरक्षण के लिए भूमिगत जल का कृत्रिम रूप से पुनर्भरण किया जा सकता है टपकन टैंक/ड्रिप/स्प्रिंकल सिंचाई के उपयोग से सिंचाई जल के संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सकता है।वर्षा जल संचयन, जल पुनर्भरण और पानी के विवेकपूर्ण उपयोग को जन आंदोलन का रूप देना होगा। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में पेयजल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन, विकास और सामाजिक न्याय से जुड़ा बुनियादी प्रश्न है। देश में साफ पेयजल की समस्या केवल संसाधनों की कमी का सवाल नहीं है, बल्कि यह शासन की संवेदनशीलता और नीतिगत ईमानदारी की भी परीक्षा है। सरकार की उदासीनता और क्रियान्वयन में लापरवाही ने इस संकट को बढ़ाया है, इसमें कोई संदेह नहीं। यदि अब भी चेतने का समय नहीं आया, तो आने वाले वर्षों में जल संकट एक भयावह सामाजिक और मानवीय त्रासदी का रूप ले सकता है। साफ पानी केवल सुविधा नहीं, बल्कि नागरिकों का मौलिक अधिकार हैं और इसे सुनिश्चित करना सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष
सुनील कुमार महला

प्राकृतिक आपदाओं के बीच एनडीआरएफ की भूमिका

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) का स्थापना दिवस 19 जनवरी को मनाया जाता है, क्योंकि वर्ष 2006 में इसी दिन एनडीआरएफ का गठन किया गया था। यह बल प्राकृतिक व मानव-निर्मित आपदाओं में राहत और बचाव कार्य के लिए जाना जाता है। एनडीआरएफ का आदर्श वाक्य 'आपदा सेवा सदैव सर्वत्र' है, जिसका अर्थ है-'किसी भी आपदा में, हमेशा और हर जगह सेवा के लिए तत्पर।' प्राकृतिक व मानव-निर्मित आपदाएं वे घटनाएं हैं जो व्यापक स्तर पर जीवन, संपत्ति और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाती हैं। भूकंप, बाढ़, सूखा, चक्रवात, तूफान, भूस्खलन, हिमस्खलन, जंगल की आग, सुनामी, बादल फटना, लू और शीत लहर आदि प्राकृतिक आपदाएं तथा औद्योगिक दुर्घटनाएं, रासायनिक/गैस रिसाव, परमाणु दुर्घटनाएं, आग लगना, इमारत या पुल गिरना, तेल रिसाव, खनन हादसे, रेल-सड़क-हवाई दुर्घटनाएं, आतंकवादी हमले और युद्ध मानव-निर्मित आपदाएं हैं। वास्तव में प्राकृतिक आपदाएं प्रकृति की प्रक्रियाओं के कारण होती हैं, जिन पर मानव का सीधा नियंत्रण नहीं होता, वहीं दूसरी ओर मानव-निर्मित आपदाएं मानवीय गतिविधियों, लापरवाही या तकनीकी विफलताओं के कारण उत्पन्न होती हैं।

संक्षेप में कहें तो जहां एक ओर प्राकृतिक आपदाएं प्रकृति से आती हैं, वहीं, दूसरी ओर मानव-निर्मित आपदाएं मानव की गलतियों या क्रियाओं का परिणाम होती हैं। दोनों ही हमारे समाज, देश व अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डालती हैं। वास्तव में आपदा प्रबंधन राष्ट्रीय प्राथमिकता है और भारत सरकार ने देश में आपदाओं से निपटने की व्यवस्था को आधुनिक और मजबूत बनाने के उद्देश्य से अगस्त 1999 में एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया। बाद में गुजरात भूकंप की विभीषिका को देखते हुए एक राष्ट्रीय समिति भी बनाई। इन समितियों का मुख्य लक्ष्य केवल राहत कार्य तक सीमित न रहकर, भविष्य की आपदाओं के लिए ठोस पूर्व-तैयारी करना और नुकसान को कम करने के लिए एक प्रभावी सरकारी ढांचा तैयार करना था। इन पहलों का उद्देश्य भारत में आपदा प्रबंधन को एक व्यवस्थित और वैज्ञानिक रूप देना था ताकि जान-माल की क्षति को न्यूनतम किया जा सके। दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002-07) के दस्तावेज़ में पहली बार, आपदा प्रबंधन पर एक विस्तृत अध्याय जारी किया गया था और अंततः 23 दिसंबर, 2005 को भारत सरकार द्वारा 'आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005' को अधिनियमित किया गया, जिसके तहत 'राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण' (एन.डी.एम.ए.) एवं 'राष्ट्रीय आपदा मोचन बल' (एन.डी.आर.एफ.) का गठन किया गया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) भारत में आपदा प्रबंधन के लिए गठित एक सर्वोच्च संस्था है, जिसकी स्थापना 'आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005' के अंतर्गत की गई थी। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में कार्य करने वाला यह निकाय देश में आपदाओं से निपटने के लिए मुख्य नीतियां, योजनाएं और दिशा-निर्देश तैयार करने हेतु उत्तरदायी है। इसका प्राथमिक उद्देश्य एक ऐसी एकीकृत और रणनीतिक प्रणाली विकसित करना है, जो संकट के समय समय पर और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित कर जान-माल के नुकसान को न्यूनतम कर सके। वास्तव में इस संस्था का मुख्य लक्ष्य आधुनिक तकनीक और सभी वर्गों की भागीदारी के माध्यम से भारत को आपदाओं के प्रति सुरक्षित और सक्षम बनाना है। यह केवल संकट आने का इंतज़ार करने के बजाय पहले से सतर्क रहने (प्रो-एक्टिव) और विकास कार्यों को आपदा-रोधी बनाने की रणनीति पर ज़ोर देती है। इसका उद्देश्य समाज में एक ऐसी संस्कृति विकसित करना है, जहां आपदाओं को रोकने, उनकी पूर्व-तैयारी करने और उनके प्रभाव को कम करने (शमन) को प्राथमिकता दी जाए, ताकि देश का विकास टिकाऊ बना रहे। बहरहाल, बता दें कि वर्तमान में एनडीआरएफ में कुल 16 बटालियन हैं। प्रत्येक बटालियन में लगभग 1,149 कर्मी होते हैं। दरअसल, एनडीआरएफ एक विशेषज्ञ बल है जिसमें भारत के विभिन्न केंद्रीय अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) से जवानों को प्रतिनियुक्ति (डेपुटेशन) पर लिया जाता है। एनडीआरएफ स्थापना दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि आपदा के समय त्वरित, संगठित और मानवीय प्रतिक्रिया कितनी आवश्यक है। एनडीआरएफ का योगदान सुरक्षित, सक्षम और संवेदनशील भारत के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है और एनडीआरएफ का स्थापना दिवस भारत की उस अदम्य इच्छाशक्ति का उत्सव है, जो यह सुनिश्चित करती है कि देश किसी भी विपदा के सामने घुटने नहीं टेकेगा, बल्कि और अधिक मजबूती से उठ खड़ा होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

यमदूतों को देख डर जाता है व्यक्ति

संकलित
दर्शन

गरुड़ पुराण में मृत्यु के बाद के रहस्य, आत्मा की यात्रा, पाप-पुण्य, स्वर्ग और नरक के बारे में विस्तार से बताया गया है। संसार का ये नियम अटल है कि जिसने जन्म लिया है, उसकी मृत्यु भी तय है। जन्म और मृत्यु दो वो छोर हैं, जिनकी प्रक्रियाएं एक दूसरे से बहुत अलग हैं। गरुड़ पुराण के अनुसार, मृत्यु के समय व्यक्ति के शरीर में जो हलचल होती है वो उसके कर्मों और उसकी मानसिक स्थिति पर निर्भर करती है। गरुड़ पुराण में आंखों के पलटने के पीछे कुछ प्रमुख वजहें बताई गई हैं, जिस व्यक्ति को जीवनकाल में सांसारिक सुखों, धन-संपत्ति और परिवार का अधिक मोह रहता है, उसके लिए प्राण त्यागना बहुत कष्टकारी होता है। गरुड़ पुराण कहता है मृत्यु के पास आने पर भी ऐसा व्यक्ति संसार नहीं छोड़ना चाहता। उसमें जीने की इच्छा रहती है। यही इच्छा उसे शरीर से बांधकर रखती है, इसलिए जब शरीर से प्राण खींचे जाते हैं, तो आंखें ऊपर की ओर उलट जाती हैं। वहीं शास्त्रों में बताया गया है कि जब यमदूत आत्मा को लेने आते हैं, तो उनका स्वरूप देखकर मरणासन्न व्यक्ति डर जाता है। वो कुछ कहना चाहता है, लेकिन उसकी आवाज गले में अटक जाती है। डर में उसकी पुतलियां फैल जाती हैं और आंखें उलट जाती है. यमदूत जब बल से आत्मा को शरीर से निकालते हैं, तो भी ऐसी अवस्था हो जाती है, वहीं जब प्राण मस्तक या आखों से निकलते हैं, तो भी आंखें पलट जाती हैं।

अपनी बुराई सुनकर परेशान न हों

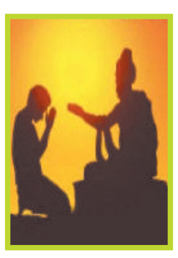

संकलित
प्रेरणा

एक लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक संत अपने शिष्य के साथ एक गांव में रुके। कुछ ही दिनों संत की ख्याति आसपास के क्षेत्र में फैल गई। अब उनके प्रवचन सुनने और दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आने लगे। ये देखकर उसी गांव का एक अन्य पंडित परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि इस संत की वजह से मेरे भक्त कम हो जाएंगे। मेरा जीवन यापन कैसे होगा? पंडित ने संत का दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। वह लोगों के सामने उस संत की बुराई करता था। एक दिन संत के शिष्य को ये सारी बातें मालूम हुईं तो उसे बहुत गुस्सा आया। वह तुरंत ही अपने गुरु के पास पहुंचा और पूरी बात बताई। संत ने शिष्य की बातें सुनी और कहा कि उसे छोड़ों। अगर मैं उस पंडित से वाद-विवाद करूंगा तो इससे ये सब बातें फैलना बंद नहीं होंगी। इसीलिए उसकी बातें पर ध्यान नहीं देना चाहिए। संत ने देखा कि शिष्य का क्रोध शांत नहीं हुआ है। तब उन्होंने कहा कि जब जंगल का हाथी गांव में आता है तो उसे देखकर सभी कुत्ते भौंकने लगते हैं, लेकिन हाथी पर इसका कोई असर नहीं होता है। हाथी अपनी मस्त चाल चलते रहता है। कुत्ते भौंकते हुए थक जाते हैं और वापस अपने इलाके की ओर भाग जाते हैं। हमें भी अपनी बुराई करने वालों के साथ इसी तरह पेश आना चाहिए। हमें सिर्फ अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमारे अच्छे काम ही ऐसे लोगों का मुंह बंद कर सकते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

सड़क पर मवेशी

राजधानी रायपुर में आवारा कुत्तों के साथ ही अब मवेशी लोगों की परेशानी का सबब बने हुए हैं। रायपुर में जिस ओर भी जाएं, सड़क पर मवेशी नजर आते हैं। नगर निगम का अमला कुछ दिन कार्रवाई करता है और शांत हो जाता है। ऐसे में सड़क पर चलने वाले दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों को दिक्कत होती है। आए दिन सड़क हादसे की वजह सड़क पर मवेशी बनते हैं।

-शाहिन बेगम, रायपुर

ट्रेंड

घुसपैठियों पर एक्शन

डबल इंजन सरकार बनते ही पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया जाएगा। इसके साथ ही मतुआ और नामशूद्र जैसे शरणार्थियों को पूरी सुरक्षा देकर उनकी बस्तियों में विकास को गति दी जाएगी, ये मोदी की गारंटी है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

नाकाम व्यवस्था दोषी

माघमेला क्षेत्र में इस साल फिर से साधु-संतों-भक्तों के साथ हुआ दुर्व्यवहार अक्षम्य है। प्रश्न ये है कि ऐसी घटनाएं भाजपा की सरकार में ही क्यों हो रही हैं। इस अवस्था के लिए भाजपा का कुशासन और नाकाम व्यवस्था ही दोषी है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

दुर्भाग्यपूर्ण घटना

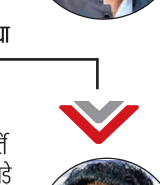

वाराणसी में अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति को हटाने की खबर से समाज के एक बड़े वर्ग में काफी रोष व आक्रोश व्याप्त है। इस अति-दुर्भाग्यपूर्ण घटना को लेकर सरकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

- मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

जनता पर विश्वास

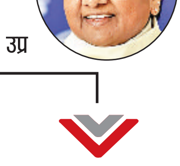

हमें पूरा विश्वास है कि तमिलनाडु की जनता आरएसएस-भाजपा की कट्टरता, सांप्रदायिकता और भेदभावपूर्ण राजनीति के बजाय समानता, सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण और सुशासन को चुनेगी। कांग्रेस जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

-मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

गैलेक्सीआई 'मिशन दृष्टि' के लिए तैयार

अंतरिक्ष क्षेत्र का स्टार्टअप गैलेक्सीआई अपनी तरह के पहले उपग्रह को प्रक्षेपित करने की तैयारी में है जो 'ऑप्टिकल' और 'रडार सेंसर' से प्राप्त आंकड़ों को एकीकृत कर पृथ्वी की तस्वीरें तैयार करेगा। इन तस्वीरों का उपयोग रक्षा से लेकर कृषि तक कई क्षेत्रों में किया जा सकेगा। स्टार्टअप की इस वर्ष की पहली तिमाही में 'मिशन दृष्टि' नामक बहु-संवेदी पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को प्रक्षेपित करने और 2030 तक इसे 10 उपग्रहों के एक समूह में विस्तारित करने की योजना है। गैलेक्सीआई के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुयश सिंह ने कहा, मिशन दृष्टि वैश्विक स्तर पर पहला ऐसा उपग्रह है, जिसमें एक ही प्लेटफॉर्म पर रडार सेंसिंग और ऑप्टिकल इमेजिंग को एकीकृत किया गया है। इसके साथ ही यह भारत का निजी तौर पर विकसित सबसे बड़ा उपग्रह भी है। सिंह ने बताया कि गैलेक्सीआई अगले कुछ वर्षों में दो और उपग्रह तैनात करने की योजना बना रहा है और दशक के अंत तक छह-सात अतिरिक्त उपग्रह जोड़कर कुल संख्या 2030 तक 10 करने का लक्ष्य है। इससे बड़े पैमाने पर लगभग तुरंत डेटा उपलब्ध कराया जा सकेगा। जहां मल्टी-स्पेक्ट्रल ऑप्टिकल कैमरा पृथ्वी की तस्वीरें लेता है।

ऑफ बीट

'काजीरंगा कॉरिडोर' से वन्यजीवों की होगी सुरक्षा

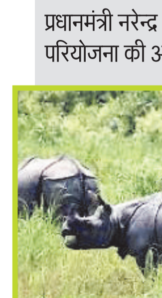

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को जिस 'काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर' परियोजना की आधारशिला रखेंगे, उसका उद्देश्य राष्ट्रीय उद्यान में वन्यजीवों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना और 'इकोटूरिज्म' को बढ़ावा देना है। 'इकोटूरिज्म' से तात्पर्य प्राकृतिक क्षेत्रों में ऐसे पर्यटन से है जिससे स्थानीय वन्य जीवन एवं पर्यावरण को संरक्षित रखा जा सके और उन्हें लाभ पहुंचे। मोदी ने कहा कि 6,957 करोड़ रुपये की यह परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर दुर्घटनाओं को कम करने में भी मदद करेगी। एक अधिकारी ने बताया कि परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग-37 (नया राष्ट्रीय राजमार्ग-715) के कालियाबोर-नुमालीगढ़ खंड को चार लेन का किया जाएगा और लगभग 34.45 किलोमीटर का 'एलिवेटेड कॉरिडोर' बनाया जाएगा। इसके तहत जखलाबांधा और बोकाखाट में बाईपास भी बनाए जाएंगे।उन्होंने कहा कि इस परियोजना को उच्चतम न्यायालय के निर्देशों और भारतीय वन्यजीव संस्थान की सिफारिशों के अनुरूप तैयार किया गया है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि परियोजना का उद्देश्य मध्य एवं अपर असम के बीच संपर्क बेहतर करना और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की समृद्ध जैव विविधता का संरक्षण सुनिश्चित करना है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर

सोमवार 19 जनवरी 2026

माघ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा
वर्ष : 25, अंक : 298
पृष्ठ : 10+6 =16 मूल्य : 4 .00***

मौसम
अधि. 30.4
न्यूून. 10.6

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

5 सबालेंका और अल्काराज ने बनाई...

विचार पेज
आखिर क्या है पेयजल संकट के उपाय

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

तस्कर गिरफ्तार, 1.6 किग्रा हेरोइन बरामद

श्रीनगर। पुलिस ने रविवार को श्रीनगर के मुनव्वराबाद इलाके में मादक पदार्थ के एक कथित तस्कर को गिरफ्तार किया। उसके पास से 1.6 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। खानयार पुलिस थाने की एक टीम ने मुनव्वराबाद में सीवर शोधन संयंत्र के पास नियमित जांच के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके बैग से लगभग 1.6 किलोग्राम वजन के हेरोइन के दो पैकेट बरामद हुए।

बस और कार की टक्कर में दो व्यक्तियों की मौत

अमेठी। अमेठी जिले के गौरीगंज थाना क्षेत्र में रविवार को रोडवेज बस और कार में भीषण टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गये। घायलों में से चार की हालत गंभीर है। हादसा गौरीगंज थाना क्षेत्र के रायबरेली-सुल्तानपुर राजमार्ग के बनी बाबूगंज सगरा के पास हुआ। जहां घने कोहरे के चलते रोडवेज बस और कार में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में गौरीगंज के अन्नी बैजल निवासी कार सवार दीपक सिंह (45) व कौशांबी निवासी ऋतुराज यादव (35) की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में 10 लोग घायल हो गए हैं जिनमें चार की हालत गंभीर बताई जा रही है।

छग-झारखंड की सीमा पर ओरसा में पलटी ग्रामीणों से भरी स्कूल बस, सात की गई जान

सगाई कार्यक्रम में जा रहे थे ग्रामीण, 60 से अधिक घायल

छत्तीसगढ़ और झारखंड की सीमा पर रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई जबकि दर्जनों की संख्या में लोग घायल हुए है। हादसा महुआडांड थाना क्षेत्र के ओरसा बंगला दारा घाटी में हुआ जहां ग्रामीणों से भरी स्कूल बस अनियंत्रित होकर साइड वाल गार्ड को तोड़ते हुए पलट गई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर/कुसमी

इस घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण वाहन में फंस गए जबकि कई लोग वाहन से बाहर गिर गए। घटना के समय बस में 87 लोगों के सवार होने की बात कही जा रही है। इस हादसे में 4 महिलाओं समेत 5 लोगों की मौके पर मौत हो गई जबकि 60 से अधिक लोग घायल हो गए है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि बलरामपुर जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम पीपरसोत से ग्रामीण ज्ञान गंगा की स्कूल बस में सवार होकर सगाई कार्यक्रम में शामिल होने के लिए झारखंड के महुआडांड़ अंतर्गत लोध गांव जा रहे थे। बस में चालक समेत 87 लोगों के सवार होने की बात कही जा रही है। इस दौरान दोपहर लगभग 3 बजे जैसे ही छत्तीसगढ़ और झारखंड की सीमा पर महुआडांड थाना अंतर्गत ओरसा बंगला दारा घाटी पर चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया। तेज रफ्तार बस घाटी पर उतरते समय साइड वाल गार्ड को तोड़ते हुए पलट गई। इस हादसे के बाद वाहन सवार ग्रामीणों में चीख पुकार मच ▶▶|शेष पेज 4 पर

ग्रामीणों की मौत पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जताया शोक

मौके पर पहुंचे जनप्रतिनिधि व अधिकारी

इस भीषण सड़क हादसे के बाद प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम घटना पर नजर बनाए हुए है और घायलों की मदद के निर्देश दिए। वहीं जिला पंचायत उपाध्यक्ष धीरज सिंहदेव भी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुचे जबकि एसडीएम, पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और घायलों की मदद की जा रही है।

घटना ने मन को झकझोर दिया : नेताम

कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि बहुद बड़ी व बेहद दुखदाई घटना घटित हो गई है। पूरी प्रशासनिक टीम घटना स्थल पर पहुंच गई है। घायलों का इलाज किया जा रहा है, जो बेहद गंभीर है ऐसे पीड़ितों को रांची और अम्बिकापुर रिफर किया जा रहा है। मै अभी बाहर हूं लेकिन मै लगातार कलेक्टर बलरामपुर, एसपी बलरामपुर से सम्पर्क में हूं। धीरज सिंहदेव सहित अन्य कार्यकर्ता वहां घायलों की मदद कर रहे है। जिसे जैसी सहायता की आवश्यकता है पूरी मदद की जाएगी। इस घटना ने मन को झंकझोर दिया है।

7 के मौत की पुष्टि घायलों को किया रिफर

बस हादसे में अब तक सात लोगों के मौत की पुष्टि हुई है। मरने वालों में चार महिलाएं व एक पुरुष शामिल है। हालांकि अब तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है वहीं मृतकों की संख्या भी बढ़ने की बात कही जा रही है। इस हादसे में 60 से अधिक लोग घायल हुए है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस व प्रशासनिक टीम ने घायलों को उपचार के लिए स्थानीय अस्पतालों में ▶▶|शेष पेज 4 पर

मैच के बाद लौटते वक्त हादसा

स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर तालाब में घुसी, 3 की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

शहर में बीती रात हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर तालाब में चली गई। बताया गया कि दरवाजे का लॉक नहीं खुलने से 2 युवाओं की वाहन के भीतर ही दम घुटने से मौत हो गई। एक युवक की मौत अस्पताल ले जाने के दौरान हो गई, वाहन में 6 लोग सवार थे। घटना शनिवार की रात 8 बजे के बाद की है। जब कालीपुर में दोपहर 3 बजे किक्रेट मैच जीतने के बाद जश्न मनाने निकले ये ▶▶|शेष पेज 4 पर

- वाहन में सवार 6 युवाओं में 5 कालीपुर के रहने वाले

शहर में शोक की लहर

तीनों मृतक युवक 25 से 30 वर्ष की उम्र के बताए जा रहे हैं। तीनों शादीशुदा थे और नौकरी करते थे। भावेश के 2 बच्चे है, शेखर का 1 बच्चा है, उसे अनुकंपा नियुक्ति मिली थी, वहीं मनीष शिक्षक है, जो विश्रामपुरी का रहने वाला है, लेकिन काफी समय से धरमपुरा में रह रहा है, उसके भी 2 बच्चे है। वाहन चालक श्याम जायसवाल, ब्रम्हानंद बेलसरिया, और हरेंद्र राउड़ सहित 2 मृतक भावेश और शेखर कालीपुर के है। घटना से कालीपुर और शहर में शोक की लहर दौड़ गई।

तृणमूल कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना

सिंगुर से पीएम मोदी की हुंकार कहा-'महाजंगल राज' को खत्म करना चाहता है पश्चिम बंगाल

एजेंसी ▶▶| सिंगूर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस सरकार पर 'वोट बैंक' की राजनीति के लिए घुसपैठियों की मदद करके राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी के 'महाजंगल राज' को समाप्त करना राज्य में कानून व्यवस्था, विकास और निवेशकों के विश्वास को बहाल करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य विधानसभा चुनाव कुछ ही महीनों दूर हैं, ऐसे में मोदी ने चुनावी मुकाबले को 'महाजंगल ▶▶|शेष पेज 4 पर

बंगाल की जनता से किया सवाल

रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने पूछा, क्या बंगाल की जनता के हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार को दंडित नहीं किया जाना चाहिए? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देशभर में मतदाता विकास और कल्याणकारी योजनाओं में बाधा डालने वाली सरकारों को 'दंडित' कर रहे हैं।

टीएमसी को बताया महिलाओं-युवाओं का दुश्मन

मोदी ने कहा भाजपा सरकार 'सिंडिकेट राज और माफिया शासन' का अंत करेगी। तृणमूल कांग्रेस को 'महिलाओं, युवाओं और किसानों का दुश्मन' बताते हुए मोदी ने दावा किया कि बेटियां असुरक्षित हैं और बंगाल के युवाओं का भविष्य खतरे में है। उन्होंने कहा, महिलाओं और युवाओं को अपनी आवाज उठानी चाहिए।

प्रयागराज माघ मेला में विवाद

संगम तट पर बवाल, शंकराचार्य ने स्नान करने से किया मना

एजेंसी ▶▶| प्रयागराज

प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने मौनी अमावस्या पर स्नान से मना कर दिया है। उन्होंने अपनी पालकी बीच रास्ते से अखाड़े में लौटा दी है। बताया जाता है कि जब वे अपनी पालकी से अखाड़े से निकलकर संगम नोज पर जा रहे थे, तभी उनके शिष्यों से यूपी सरकार के गृह सचिव मोहित गुप्ता ने धक्कामुक्की शुरू कर दी, जिसके बाद बवाल बढ़ गया और अविमुक्तेश्वरानंद ने स्नान से ही मना कर दिया। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने मीडिया से कहा कि मेरे शिष्यों से मारपीट हो रही है। अधिकारी मारने का इशारा कर रहे हैं, इसलिए स्नान नहीं करूंगा।

मारपीट-धक्कामुक्की का वीडियो वायरल

संगम तट पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों के साथ मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद अपनी पालकी के साथ संगम तट पर जा रहे होते हैं।

3.82 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

मौनी अमावस्या पर संगम नगरी प्रयागराज में श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा। प्रयागराज में जारी माघ मेले में रविवार को मौनी अमावस्या पर शाम चार बजे तक 3.82 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। इससे पूर्व, मकर संक्रांति के अवसर पर 1.03 करोड़ जबकि एकादशी पर लगभग 85 लाख लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया था।

श्रद्धालुओं और साधु संतों पर पुष्प वर्षा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्नान कर रहे श्रद्धालुओं और साधु संतों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कल रात 12 बजे से ही स्नान करने के लिए लोगों का गंगा और संगम क्षेत्र में आना जारी रहा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 10,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं। उन्होंने बताया कि माघ मेला 2025-26 में कुल 12,100 फुट लंबे घाटों का निर्माण किया गया है जिनमें सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

मुंबई कोर्ट ने लिया बड़ा फैसला, बंद की फाइल

7.65 रुपए की चोरी, 50 साल तक चला केस

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मुंबई की एक कोर्ट ने 7.65 रुपए की चोरी के केस 1977 से चल रहा था। 50 साल बाद के बाद कोर्ट ने इस केस को बंद करने का डालने का निर्णय किया है। इस केस में दो अनजान आरोपी और एक शिकायत करने वाला शामिल था, जिनका पुलिस की दशकों की तलाश के बाद भी कोई पता नहीं चला। यह फैसला दशकों पुराने केस में हाल ही में आए कई फैसलों में से एक है, जो ठंडे बस्ते में पड़े थे और लीगल ▶▶|शेष पेज 4 पर

1977 से चल रहा था केस

1977 के इस चोरी के केस में दो अनजान लोगों पर 7.65 रुपए चोरी करने का आरोप था, जो पांच दशक पहले एक बड़ी रकम थी। हालांकि, नॉन-बेलेबल वारंट के बावजूद दोनों का पता नहीं चल सका, जिससे मामला ठंडे बस्ते में चला गया। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास (मझगांव कोर्ट) आरती कुलकर्णी ने 14 जनवरी को यह कहते हुए केस बंद कर दिया कि मामला लगभग 50 साल पुराना है।

कोर्ट ने केस बंद करने का किया फैसला

कोर्ट ने कहा कि चूंकि चोरी की गई रकम 2,000 रुपए से कम थी, इसलिए केस को क्रिमिनल प्रोसीजर कोड के सेक्शन 260 के तहत समरी ट्रायल के लिए क्लासिफाई किया गया, जो छोटे अपराधों के लिए "समरी ट्रायल" की इजाजत देता है, जिसमें चोरी भी शामिल है, जहां प्रॉपर्टी की कीमत कम होती है, ताकि जल्दी इंसाफ मिल सके।

रैश ड्राइविंग मामले में भी फैसला

2003 के एक रैश ड्राइविंग मामले में भी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने ऐसा ही किया, क्योंकि पुलिस रिपोर्ट ने कन्फर्म किया कि न केवल आरोपी, बल्कि असली जानकारी देने वाला और सभी गवाह भी अब ट्रेस नहीं हो पा रहे थे। आरोपी पर आईपीसी के तहत सेक्शन 279 (रैश ड्राइविंग) और 338 (जान या पर्सनल सेफ्टी को खतरे में डालने वाले काम से गंभीर चोट पहुंचाना) के तहत केस दर्ज किया गया था।

राउरकेला से अयोध्या के लिए रवाना हुआ 286 किलो वजनी श्री राम स्वर्ण धनुष इन दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। सोना, चांदी और पंचधातु से बना यह भव्य धनुष सिर्फ एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि सनातन धर्म की एकता और श्रद्धा का संदेश भी है। जैसे ही यह स्वर्ण धनुष राउरकेला की सड़कों से निकला, "जय श्री राम" और "जय जगन्नाथ" के नारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। हज़ारों राम भक्तों ने इस ऐतिहासिक यात्रा का स्वागत किया।

हनुमान बटिका से शुरू हुई यह यात्रा, 286 किलोग्राम वजनी, पंचधातु और सोने से निर्मित

राउरकेला से अयोध्या रवाना हुआ 286 किलो स्वर्ण धनुष, 22 को होगा रामलला को समर्पित

एजेंसी ▶▶ राउरकेला

सनातन जागरण मंच के नेतृत्व में शुरू हुई यह यात्रा "श्री राम शरणम, सब कुछ छोड़कर, सनातनियों को एकजुट करना" के संकल्प के साथ निकली है। आयोजकों का कहना है कि यह स्वर्ण धनुष भगवान राम के प्रति श्रद्धा के साथ-साथ सनातन धर्म के मूल आदर्शों-एकता, त्याग और समर्पण का प्रतीक है।

40 मजदूरों ने 8 महीने में बनाया श्रीराम स्वर्ण धनुष

यह श्री राम स्वर्ण धनुष तमिलनाडु के कांचीपुरम में 40 कुशल कारीगरों द्वारा लगभग 8 महीने की मेहनत से तैयार किया गया है। यह धनुष पंचधातु सोना, चांदी, जस्ता, लोहा और एल्यूमीनियम से बना है। इसकी लंबाई करीब 8 फीट, ऊंचाई 3 फीट और कुल वज़न 286 किलोग्राम है।

धनुष की पूजा-अर्चना करने उमड़ रही भीड़

स्वर्ण धनुष के प्रस्थान अवसर पर संबलपुरी नृत्य, भगवान राम के रूप में सजे एक बच्चे की प्रस्तुति और भजन-कीर्तन ने माहौल को भावुक बना दिया। सजे हुए ट्रेलर वाहन पर रखे धनुष को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रास्ते में जगह-जगह श्रद्धालु फूल बरसा रहे हैं और दर्शन के लिए उमड़ रहे हैं।

अनुमानित कीमत लगभग 1 करोड़ 10 लाख

इसमें लगभग 986 ग्राम सोना और 2.5 किलोग्राम चांदी का उपयोग किया गया है। इसकी अनुमानित लागत 1.10 करोड़ रुपये बताई जा रही है। राउरकेला से अयोध्या तक निकली श्री राम स्वर्ण धनुष यात्रा ने सनातन धर्म से जुड़े लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं को छू लिया है। यह पंचधातु धनुष न सिर्फ आस्था, बल्कि एकता और समर्पण का प्रतीक बन गया है। इन जिलों से होकर गुजरेगी धनुष यात्रायह यात्रा ओडिशा के कई जिलों सुंदरगढ़, झारसुगुड़ा, संबलपुर, बौध, बरगढ़, बोलांगीर, कालाहांडी, कोरापुट, रायगड़ा, ब्रह्मपुर, कटक, भुवनेश्वर समेत अनेक क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। 19 जनवरी को यह श्री जगन्नाथ धाम पुरी और 22 जनवरी को अयोध्या पहुंचने वाली है। गौरतलब है कि सनातन जागरण मंच इससे पहले विशाल दीपक और विशाल लड्डू जैसे आयोजनों को लेकर भी सुर्खियों में रहा है। अब श्री राम स्वर्ण धनुष यात्रा ने एक बार फिर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

खबर संक्षेप

शराबी बैठा पटरी पर अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को रोका

भुवनेश्वर। रंगापानी–नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस को रविवार को उस समय कुछ देर के लिए रोका गया, जब यह ट्रेन स्थानीय स्टेशन में प्रवेश कर रही थी और नशे में धुत एक व्यक्ति पटरी पर बैठ गया। अधिकारियों ने बताया कि लक्ष्मीसागर इलाके के निवासी पी. अप्पन्ना राव (38) लोको पायलट द्वारा बार-बार हॉर्न बजाए जाने के बावजूद ट्रैक से हटने से नहीं हटा।

मासूम से दुष्कर्म, हत्या दोषी को उम्रकैद की सजा

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले की एक विशेष अदालत ने पांच वर्षीय बच्ची की बलात्कार के बाद हत्या करने के आरोपी को दोषी करार देते हुए उसे उम्र कैद की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष ने रविवार को बताया कि विशेष पॉक्सो अदालत के न्यायाधीश नीरज गौतम ने दोषी महाजन पर शनिवार को 1.30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। उन्होंने कहा कि जुर्माने की राशि में से एक लाख रुपये मृत बच्ची के पिता को दिए जाएंगे। बच्ची की आठ अप्रैल 2019 को मुरादनगर थाना क्षेत्र में बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी।

इन मौतों के लिए आतंकवादी और हथियारबंद उपद्रवियों को ठहराया जिम्मेदार

खामेनेई सरकार ने माना प्रदर्शन में 500 सुरक्षा कर्मियों सहित 5000 लोग मारे गए

एजेंसी ▶▶ तेल अबीब

ईरान में हाल के विरोध-प्रदर्शनों को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। एक ईरानी अफसर ने रविवार को कहा कि सरकार ने अब तक कम से कम 5 हजार मौतों की पुष्टि कर ली है। इनमें करीब 500 सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि इन मौतों के लिए आतंकवादी और हथियारबंद उपद्रवी जिम्मेदार हैं, जिन्होंने कई निर्दोष ईरानी नागरिकों को मार डाला। सुरक्षा कारणों से नाम न बताने वाले इस अधिकारी ने बताया कि सबसे ज्यादा हिंसा और मौतें उत्तर-पश्चिम ईरान के कुर्द इलाकों में हुईं। यह इलाका पहले भी अशांति के लिए जाना जाता रहा है, जहां कुर्द अलगाववादी समूह सक्रिय हैं। बीते वर्षों में जब-जब बड़े प्रदर्शन हुए, वहां झड़पें सबसे ज्यादा हिंसक रही हैं।

इजरायल व आतंकी समूहों का मिला समर्थन

ईरानी अफसर ने आरोप लगाया कि सड़कों पर उतरने वाले लोगों को इजराइल और विदेशों में मौजूद हथियारबंद समूहों का समर्थन और हथियार मिले थे। ईरान सरकार अक्सर देश में होने वाली अशांति के लिए विदेशी ताकतों को जिम्मेदार ठहराती रही है। ईरान का कहना है कि उसका कट्टर दुश्मन इजराइल इस तरह की गतिविधियों के पीछे है। पिछले साल जून महीने में इजराइल ने ईरान पर सैन्य हमले भी किए थे।

क्या कह रहीं हैं मानवाधिकार संस्थाएं

दूसरी तरफ अमेरिका स्थित मानवाधिकार संगठन ने शनिवार को कहा कि उसके अनुसार अब तक 3,308 लोगों की मौत हुई है। 4,382 मामलों की अभी जांच चल रही है। संगठन का दावा है कि प्रदर्शनों के दौरान 24,000 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं नॉर्वे स्थित ईरानी कुर्द मानवाधिकार संगठन हेंगाव ने बताया कि दिसंबर के आखिर में शुरू हुए प्रदर्शनों के दौरान सबसे ज्यादा और सबसे हिंसक झड़पें उत्तर-पश्चिम के कुर्द इलाकों में ही हुई थीं।

विदेशी एजेंसियां सक्रिय रहीं : ईरान का आरोप

ईरान में हुई हिंसा के लिए तेहरान विदेशी साजिश का आरोप लगा रहा है। ईरानी नेतृत्व का कहना है कि विरोध प्रदर्शन स्वतःस्फूर्त नहीं थे। सर्वोच्च नेता खामेनेई ने अमेरिका और इस्राइल पर अशांति भड़काने का आरोप लगाया। सरकार के मुताबिक बाहरी ताकतों ने देश के अंदर मौजूद असंतोष का फायदा उठाया। तेहरान का दावा है कि हालात बिगाड़ने के लिए विदेशी एजेंसियां सक्रिय रहीं।

1979 की क्रांति के बाद सबसे घातक उथल-पुथल

ईरानी अधिकारियों के अनुसार, यह हिंसा 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सबसे घातक मानी जा रही है। तब से अब तक देश ने कई बार विरोध प्रदर्शन देखे हैं, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में मौतें पहले कभी नहीं हुईं। प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ा दी है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाने की बात कही है।

कड़े कदम और बढ़ी निगरानी

सरकार ने साफ किया है कि देश में शांति बहाल करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, सुरक्षाबलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है ताकि हालात और न बिगड़ें।

हिंसक प्रदर्शन से कितना नुकसान हुआ?

ईरान में 19 दिन तक चले विरोध-प्रदर्शन के बाद अब हालात शांत बताए जा रहे हैं। हिंसक प्रदर्शन के 19 दिन में भारी नुकसान हुआ है। 30 प्रांतों में करीब 250 मस्जिदें और 20 धार्मिक केंद्रों को नुकसान पहुंचा। 182 एम्बुलेंस और फायर डिपार्टमेंट के सामान को मिलाकर 5.3 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। बैंकों के 317 ब्रांच पूरी तरह तबाह हो चुके हैं। 4,700 बैंकों को 10% से 90% नुकसान हुआ है। बिजली क्षेत्र में 6.6 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ।

भाजपा-शिंदे में फंसे पेंच का फायदा

मुंबई का 'किंग' कौन, मेयर के लिए उद्धव ने ठोकी ताल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बीएमसी चुनाव के नतीजे जा चुके हैं। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन आंकड़ों के मामले में सबसे आगे है। इसके बावजूद नए मेयर को लेकर सस्पेंस गहराने लगा है। एकनाथ शिंदे ने टूटने के डर से शिवसेना के सभी नवनिर्वाचित पार्षदों को होटल में जुटा लिया है। वहीं, उद्धव ठाकरे भी दावा कर रहे हैं कि मेयर तो शिवसेना-यूबीटी का ही होगा। असल में मुंबई के मेयर के लिए आंकड़ों की गणित बेहद दिलचस्प हो गई है। भाजपा गठबंधन में जरा सी फूट हुई तो खेल खराब हो सकता है। इसीलिए भाजपा और शिंदे पूरी सतर्कता बरत रहे हैं।

क्या है बहुमत का आंकड़ा

227 सदस्यों वाले बीएमसी में बहुमत के लिए 114 सदस्यों की जरूरत है। भाजपा ने इस बार बीएमसी चुनाव में 89 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं, उसके साथी दल शिवसेना ने 29 सीटें जीती हैं। दोनों का आंकड़ा मिला दें तो यह 118 तक पहुंचता है, जो बहुमत के आंकड़े से सिर्फ 4 ज्यादा है। अब इसी कम मार्जिन ने इस गठबंधन की नींदे उड़ा रखी हैं। वजह, अगर किसी भी दल में जरा सी भी हलचल हुई तो मुंबई में मेयर पद हासिल करने के भाजपा के सपने पर पानी फिर सकता है।

उद्धव के बयान से बेचैनी

इस बीच उद्धव ठाकरे लगातार आक्रामक बयान दे रहे हैं। उद्धव दावा कर रहे हैं कि मुंबई का नया मेयर शिवसेना यूबीटी का ही होगा। इस बात ने शिंदे और भाजपा, दोनों खेमों में बेचैनी बढ़ा दी है। आंकड़ों में देखें तो भाजपा के पास 89 सीटें हैं। वहीं, उद्धव की सेना ने 65 सीटें जीती हैं। शिंदे गुट के पास 29 सीटें हैं और दोनों के आंकड़े मिला दे तो यह संख्या 94 सीटों तक पहुंच जाती है। अब अगर इन्हें कांग्रेस का समर्थन मिल जाता है तो यह बहुमत से काफी आगे निकल जाएंगे।

चलती कार से टकराया ऊंट, चालक की मौत

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में एक तेज रफ्तार कार ऊंट से टकरा गई। हादसे में कार चालक की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा शनिवार रात आसींद थाना क्षेत्र के ब्राह्मणों की सरेरी के पास हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऊंट कार की छत तोड़कर अंदर घुस गया और फंस गया।

राशिफल

मेष — वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृष — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मिथुन — माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क — आत्मवशिवास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

सिंह — पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

कन्या — स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवशिवास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा।पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला — वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान–सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु — कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवशिवास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर — कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कुंभ — कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मत्रि के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान–सम्मान बढ़ेगा।

मुंबई के एक कार्यक्रम में बोले आरएसएस चीफ मोहन भागवत

जब तक धर्म भारत का मार्गदर्शन करेगा, देश विश्वगुरु बना रहेगा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि जब तक धर्म भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा, देश विश्वगुरु बना रहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के पास जो आध्यात्मिक ज्ञान है, वह दुनिया में कहीं और उपलब्ध नहीं है, क्योंकि अन्य जगहों पर आध्यात्मिकता की कमी है। भागवत ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धर्म को ब्रह्मांड का चालक बताया। उन्होंने कहा भारत

की आध्यात्मिक विरासत अद्वितीय है और यही उसकी वैश्विक पहचान का आधार है। जब तक धर्म भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा, देश विश्वगुरु बना रहेगा।

धर्म ही असली है चालक : भागवत

उन्होंने आगे कहा, धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है। जब सृष्टि अस्तित्व में आई, तो उसके कामकाज को नियंत्रित करने वाले नियम धर्म बन गए। सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है।भागवत ने कहा धर्म सिर्फ धर्म तक सीमित नहीं है।

हम सभी को चलाने वाली एक शक्ति है

भागवत ने कहा कि धर्म पूरे ब्रह्मांड का चालक है और सृष्टि का हर काम इसी सिद्धांत पर चलता है। उन्होंने कहा कि भारत को अपने पूर्वजों, संतों और ऋषियों से एक समृद्ध आध्यात्मिक विरासत मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण देते हुए संघ प्रमुख ने कहा, चाहे वह नरेंद्र भाई हों, मैं हूं, आप हों या कोई और, हम सभी को चलाने वाली एक ही शक्ति है। अगर गाड़ी उस शक्ति से चलाई जाती है, तो कभी कोई दुर्घटना नहीं होगी। वह चालक धर्म ही है।

मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान...

प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर माघ मेले में अमृत स्नान के लिए जाते हु साधु–संत एवं नागा बाबा।

शब्द पहेली - 6113

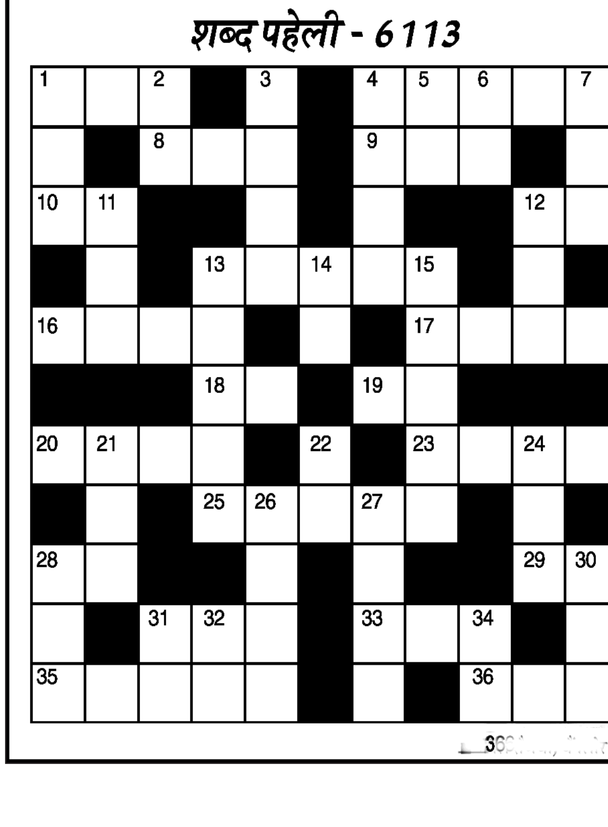

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास–3
4.पानी से सराबोर–5
8.अंधकार–3
9.आक्रमण–3
10.दम, सुट्टा–2
12.समय, वक्त–2
13.कहानी लेखक–5
16.अपराधी, गुंडा–4
17.आलोकित होना–4
18.उद्देश्य, मंजिल–2
19.छाती, सिलना–2
20.जागरण–4
23.सफल, उत्तीर्ण–4
25.पत्नी का नाना–2,3
28.मार्ग, रास्ता–2
29.जरा, थोड़ा–2
31.वैमनस्य–3
33.पाजेब–3
35.जरुरतमंद–3,2
36.गदर, क्रांति–3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह–3
2.वोट,राय–2
3.हथियार, गोला–बारूद–4
4.सनसनी, रोमांच–4
5.एक विदेशी शराब–2
6.आफत, मुसीबत–2
7.उपपत्नी–3
11.बलिदानी–3
12.कार्य करने वाला–3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना–2,3
14.पानी, जल–2
15.निर्माण करने वाला–5
21.प्रकार–3
22.उम्मीद, आशा–2
24.भिखारी–3
26.ख्यात,प्रसिद्ध–4
27.मदिरापान–4
28.मदद,आराम–3
30.इससे कच्ची शराब बनती है–3
31.उस समय–2
32.नागालैंड की एक जाति–2
34.अधर, होठ–2

शब्द पहेली- 6112 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झौ			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

सूडोकु नवताल - 6123

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6122 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

आज से दावोस में डब्ल्यूईएफ की बैठक, राष्ट्रपति ट्रंप होंगे शामिल

वैश्विक दिग्गजों के बीच भारत की दमदार दस्तक, दुनिया भर के नामी 'संवाद की भावना' विषय पर करेंगे चर्चा

एजेंसी ▸▸ दावोस

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में भारत एक दमदार प्रतिनिधित्व के लिए तैयार है। सोमवार से शुरू होने वाले पांच दिवसीय इस आयोजन में दुनिया भर के दिग्गज एक चुनौतीपूर्ण दुनिया में ''संवाद की भावना'' विषय पर चर्चा करेंगे।

सरकार, व्यापार, शिक्षा, बहुपक्षीय निकायों, नागरिक समाज और श्रम संघों के 3,000 से अधिक वैश्विक नेताओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सबसे बड़े आकर्षण होंगे। ट्रंप अपने मंत्रिमंडल के पांच सदस्यों के साथ आ रहे हैं। भारत से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के अलावा कम से कम चार केंद्रीय मंत्रियों - अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान, प्रल्हाद जोशी और के राम मोहन नायडू के साथ ही छह मुख्यमंत्रियों और देश के 100 से अधिक शीर्ष मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के शामिल होने की उम्मीद है।

राष्ट्रपति ट्रंप अपने वरिष्ठ सहयोगियों के साथ होंगे शामिल

वैश्विक नेताओं में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने वरिष्ठ सहयोगियों- वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट, वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट के साथ वहां पहुंच सकते हैं। इस वैश्विक शिखर सम्मेलन में लगभग 130 देशों के करीब 3,000 नेता शामिल होंगे, जिनमें 60 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष भी होंगे। भारतीय नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान कई समूह चर्चाओं में भाग लेने की उम्मीद है, जिसमें 'क्या भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है' विषय पर एक चर्चा भी शामिल है। इसके अलावा वे द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

छह राज्यों के सीएम करेंगे शिरकत

बैठक में शामिल होने वाले मुख्यमंत्रियों में महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, असम के हिमंत विश्व शर्मा, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, तेलंगाना के ए रेवंत रेड्डी और झारखंड के हेमंत सोरेन शामिल हैं। जहां रेड्डी कांग्रेस पार्टी से हैं, सोरेन कांग्रेस की सहयोगी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा से और नायडू भाजपा की सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी से हैं, वहीं अन्य तीन मुख्यमंत्री भाजपा से हैं। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार (कांग्रेस) के भी वहां रहने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्रियों में नायडू तेदेपा से हैं, जबकि अन्य चार भाजपा से हैं। इसके अलावा, गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष रमेशभाई संघवी (भाजपा) और उत्तर प्रदेश का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी दुनिया भर के अमीर और शक्तिशाली लोगों के इस वार्षिक जमावड़े के लिए दावोस की यात्रा करेंगे।

अंबानी, बजाज, भरतिया और सुदर्शन वेणु लेंगे हिस्सा

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन इरानी भी 'अलायंस फॉर ग्लोबल गुडः जेंडर इक्विटी एंड इक्वालिटी' की संस्थापक और चेयरपर्सन के रूप में वहां मौजूद रहेंगी, जिसकी स्थापना कुछ साल पहले दावोस में ही हुई थी। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी, टाटा समूह के एन चंद्रशेखरन, बजाज समूह के संजीव बजाज, जुबिलेंट भरतिया समूह के हरि एस भरतिया और टीवीएस मोटर के सुदर्शन वेणु भी शामिल होंगे। बैठक में एक्सिस बैंक के अमिताभ चौधरी, गोदरेज इंडस्ट्रीज के नादिर गोदरेज, जेएसडब्ल्यू समूह के सज्जन जिंदल, जेरोधा के निखिल कामथ, भारती समूह के सुनील भारती मित्तल, इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी, इंफोसिस के सीईओ सलिल एस पारेख, विप्रो के ऋषद प्रेमजी, एस्सार के सीईओ प्रशांत रुइया, पेटीएम के विजय शेखर शर्मा और रिन्यू के सीईओ सुमंत सिन्हा भी शामिल होंगे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार, वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी भी वहां मौजूद रहेंगे।

भारत का नया रिकॉर्ड, 24 % की जबरदस्त ग्रोथ के साथ 63 लाख गाड़ियां विदेश भेजीं

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के ताजा आंकड़ों के अनुसार विदेशी बाजारों में कारों, दुपहिया वाहनों और वाणिज्यिक वाहनों की मजबूत मांग के कारण 2025 में भारत से वाहन निर्यात 24 प्रतिशत बढ़ा। पिछले साल भारत से कुल निर्यात 24.1 प्रतिशत बढ़कर 63,25,211 इकाई हो गया, जबकि 2024 में यह 50,98,474 इकाई था।

इस दौरान यात्री वाहनों का निर्यात 16 प्रतिशत बढ़कर 8,63,233 इकाई रहा, जो 2024 में 7,43,979 इकाई था। उपयोगिता वाहनों का निर्यात पिछले साल सालाना आधार पर 32 प्रतिशत बढ़कर 4,27,219 इकाई रहा। इस दौरान यात्री कारों का निर्यात तीन प्रतिशत बढ़कर 4,25,396 इकाई हो गया। सियाम ने कहा कि पश्चिम एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका सहित अधिकांश बाजारों में मांग स्थिर रही है।

यात्री कारों का निर्यात तीन प्रतिशत बढ़कर 4,25,396 इकाई हो गया

लग्जरी कारों पर भारी शुल्क, तर्कसंगत फैसले का वक्त

पुणे। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ संतोष अय्यर ने कहा कि आयातित 'लग्जरी' कारों पर सीमा शुल्क को तर्कसंगत बनाने से प्रीमियम खंड में मांग बढ़ेगी, जिससे सरकार का कुल कर राजस्व बढ़ेगा। आगामी आम बजट की अपेक्षाओं के बारे में पूछने पर अय्यर ने बताया कि इसके अलावा एक अधिक स्थिर व्यापक आर्थिक नीति और रुपए में जारी गिरावट को रोकने के लिए बेहतर राजकोषीय प्रबंधन से लग्जरी कार निर्माताओं को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन कंपनियों को बढ़ती लागत के कारण कीमतें बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा है, जिसका असर मांग पर पड़ा है।उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों के तहत पिछले साल दरों को तर्कसंगत बनाया गया, जो एक बेहद सकारात्मक कदम था और अब सीमा शुल्क के लिए भी ऐसा ही होना चाहिए।

ठंड में बढ़ी तेल की मांग कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। विदेशों में बाजार मजबूत रहने, रुपये के दाम में आई गिरावट तथा जाड़े के अलावा शादी-विवाह के मौसम की मांग बढ़ने से बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी तेल-तिलहनों के दाम मजबूत रहे। सूरजमुखी, मूंगफली जैसे तिलहन के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से

नीचे ही बने हुए हैं। महाराष्ट्र में मांग बढ़ने और कम दाम पर किसानों की ओर से बिकवाली घटाने की स्थिति को देखते हुए सोयाबीन प्लांट वालों ने सोयाबीन तिलहन का दाम 100 रुपए क्विंटल बढ़ाया है। सोयाबीन का दाम कुछ समय पूर्व एमएसपी से काफी नीचे हुआ करता था लेकिन मांग बढ़ने के बीच प्लांट वालों द्वारा खरीद का दाम बढ़ाए जाने के कारण अब इसका हाजिर भाव लगभग 5,300 रुपए क्विंटल हो गया है जबकि सोयाबीन का एमएसपी 5,328 रुपए क्विंटल है।

एक्स-शोरूम प्राइस ₹73,400~

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC017354 I For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. #Based on internal testing of 110cc scooters and on the testing report of govt Certified agency. ~Ex-showroom Price is inclusive of Exshowroom, Insurance & Registration charges. *T&C apply.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलरः बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो 9289922706, अंबिकापुरः आनंद हीरो 9289922359, सरगुजा हीरो 9289923110, कोरबाः शांति हीरो 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो 9289923057, रायगढ़ः गोयल हीरो 9289922373, आदित्य हीरो 9289923091, जांजगीरः आनंद हीरो 9289922772, बैकुंठपुरः आर.के. हीरो 9289922812, जशपुरः आकाश हीरो 9289922909, एसोशिएट डीलरः खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी 7000103415, चौराः ओम ऑटो एजेंसीः 7000316070, सरियाः अग्रवाल ऑटो सेण्टर 9993121909, गौरेलाः श्री माँ नर्मदा मोटर्स 7587796622 / 7587796611, सनावलः सोनी ऑटोमोबाइल्स 9479235816, रतनपुरः माँ महामाया मोटर्स 9754240437 / 8839972027, बलोदाः श्री कमला ऑटो 9926515216, मरवाहीः राहुल ऑटोमोबाइल्स 8889467369 / 8719087320, मुगेलीः महावीर मोटर्स 9993855199, मनेन्द्रगढ़ः विवेक ट्रेडर्स 6261178785, कटघोराः श्री शारदा एंटरप्राइज 9809809925, शिवरीनारायणः सुल्तानिया ऑटा केयर 9407600319, सक्तीः गोयल ऑटो 9303571001, 7000490324, खरसियाः विजय ऑटो एजेंसी 9993093829, सीतापुरः श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांवः ज्योति ऑटो 9406399000, सारंगढ़ः गोपाल ऑटो सेंटर 9827893203, सूरजपुरः आशा ऑटोमोबाईल्स 9826440096, अकलतराः श्री ऑटो 9424174274, कोटाः उर्मिला मोटर्स 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्सः 6268000180 / 8718888789, रामानुजगंजः प्रीति ऑटोमोबाईल 8827674000, बाराद्वारः दुर्गा ऑटो एजेंसी 8319982160, उदयपुरः बंसत ऑटोमोबाईल्स 9406022927, तपकराः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, प्रतापपुरः तायल ऑटोमोबाईल्स 9617218005, पटनाः आयुश ऑटोमोबाईल्स 8839141926, पालीः आनंद ऑटोमोबाईल 7089519999, राजपुरः महामाया एजेंसी, 9516209272 / 9340726288, मदनपुरः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपतः मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, महापालीः साहू ऑटोमोबाईल्स, 7746028455, लखनपुरः पीएन ऑटोमोबाइल्स, 8839193005, बटौलीः इक्छा ऑटोमोबाइल्स, 8770232677, कुसमीः बोल्बम ऑटो, 8120191597, विश्रामपुरः खुशी ऑटोमोबाइल, 9826775718, झरगांवः ऐबानी मोटर्स, 7849000000, रामानुजनगरः जयसवाल ऑटो, 9926015773, बलंगीः नमो ऑटोमोबाइल्स, 9977876863, भैयाथानः आनंद ऑटोमोबाइल्स, 9977221111, प्रेमनगरः मानस ऑटोमोबाइल्स, 9131301594, लोरमीः महेश मोटर्स, 7974700929, खैरागढ़ः पुष्पक बिक्री, 9425554343, भानपुरीः अपराशा ऑटोमोबाइल्स, 9981009491, ऐडिशनल वर्कशॉपः अम्बिकापुरः आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज 7771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करेंः अधिकृत स्टॉकिस्टः ओरियन ऑटोव्हील्स 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कस्ः उरगाः बालाजी सर्विस स्टेशन 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः बिलासपुर (सकरी) सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पाः आनंद हीरो 7909901444, कोरबाः शांति हीरो, 7440299000 Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी 7000103415.

RS/Hero/01/26

प्रथम पृष्ठ का शेष

कागजों में आदर्श...

छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में भी योजना शुरू होने से लेकर अब तक 109 गांवों को आदर्श ग्राम बनाने के लिए चुना गया है, लेकिन इनमें से अभी तक सिर्फ 66 ग्रामों को ही आदर्श ग्राम बनाया जा सका है, वह भी आधा अधूरा। वहीं शेष 43 गावों के लिए आदर्श ग्राम बनना सपना जैसा हो गया है, क्योंकि आदर्श ग्राम बनाने की सूची में इन ग्रामों के नाम शामिल हैं, लेकिन बुनियादी सुविधाएं देने के लिए इन ग्राम पंचायतों को अभी तक फंड ही जारी नहीं किया गया है, जबकि इनमें ऐसे कई ग्राम हैं जिनका चयन वर्ष 2022 में हुआ है। इस तरह फंड के अभाव इन ग्रामों के विकास कार्य भी रुके हुए हैं। **सांसद आदर्श ग्राम की यह है स्थिति**-तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम छतौना के ग्रामीण प्रदूषण की मार से परेशान हैं। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के पीछे स्थित इस गांव के ग्रामीणों को बुनियादी सुविधा भी नहीं मिल पा रही है। कारखानों की चिमनी से निकलने वाले धुएं के प्रदूषण,कोल वाशरी के कोल डस्ट की समस्या से ग्रामीण लगातार जूझ रहे हैं। इसी तरह कोटा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम अमने के ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। हायर सेकेंडरी स्कूल ना होने के कारण यहां के बेटे व बेटियों को पांच किलोमीटर दूर हायर सेकेंडरी स्कूल जाना पड़ता है। गांव में निस्तारी पानी की समस्या ना होने के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नाली निर्माण ना होने के कारण निकासी नहीं हो पा रही है। सीसी रोड की मांग भी ग्रामीण लगातार कर रहे हैं। सार्वजनिक नल की समस्या भी बनी हुई है। **सिर्फ नाम का है सांसद गोद ग्राम , काशीगढ़ में पानी, सड़क,शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी समस्याएं यथावत**-जांजगीर चांपा। अविभाजित जांजगीर चांपा जिले में सांसद द्वारा गोद लिए गए ग्राम काशीगढ़ सिर्फ नाम का सांसद गांव है। यहां सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल संकट जैसी समस्याएं अभी भी यथावत हैं। ग्रामीणों की माने तो शासन की योजना तो दूर सांसद निधि से भी यहां विकास कार्यों के लिए कोई विशेष पहल नहीं की गई। नवगठित शक्ति जिला की जय जयपुर विकासखंड अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत काशीगढ़ को सांसद गोद ग्राम का दर्जा मिला है। यहां की आबादी तकरीबन 5000 है। जहां प्राइमरी,मिडिल के साथ हायर सेकेंडरी स्कूल तो है, लेकिन शिक्षकों की समुचित व्यवस्था नहीं होने से पढ़ाई जैसे तैसे होती है। इसी तरह गांव में उप स्वास्थ्य केंद्र है,लेकिन उसका भवन चार दशक बाद भी नहीं बना। जुगाड़ के भवन में यह केंद्र आज भी संचालित हो रहा है। सबसे बड़ी बात गांव गांव में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने जल जीवन मिशन के तहत यहां भी पानी टंकी निर्माण के साथ पाइप लाइन बिछाई गई है, लेकिन इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। सबसे खराब स्थिति आश्रित ग्राम अचानकपुरवासियों की है, यहां सड़क के अलावा गांव की गालियां भी कीचड़ से सराबोर होती है। इसी प्रकार गांव के अन्य मोहल्ले में भी नाली निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण घरों से निकलने वाला पानी गलियों में बहता रहता है। गांव की सरपंच सरिता महंत ने बताया कि उनका गांव केवल नाम का सांसद गोद ग्राम है।

25 साल बाद भी ...

मिलती है। **स्वास्थ्य केन्द्र और स्कूल जर्जर, छूट रही पढ़ाई**-दरअसल यह क्षेत्र मस्तूरी विधानसभा का गांव है। बिलासपुर मुख्यालय से इसकी दूरी करीब 25 किमी है। क्षेत्र में एक उपस्वास्थ्य केन्द्र है जिसमें न दवाई मिलती है ना डाक्टर रहते हैं। चार कमरों का यह अस्पताल पूरी तरह जर्जर हो गया है। गांव की जनसंख्या करीब साढ़े सात हजार तो 3400 के करीब वोटर है। सभी को हल्की बीमारी होने पर भी मस्तूरी मुख्यालय दौड़ना पड़ता है। रात को तो एक भी डाक्टर नहीं रहता। इमरजेंसी में बिलासपुर की दौड़ लगानी पड़ती है। यही हाल स्कूल का है। प्राथमिक और मिडिल के साथ हाईस्कूल है लेकिन राज्य बनने 25 साल बाद भी 12 वीं तक की पढ़ाई के लिए 8 किमी दूर जाने की मजबूरी हो जाती है। कई बालिकाओं की पढ़ाई इसी कारण छूट गई। लगातार मांग के बाद भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। किसी स्कूल में स्वीपर, चपरासी नहीं है। हेडमास्टर बच्चों से फीस लेकर सफाई करवाती हैं। खास तौर प्राइमरी और मिडिल स्कूल भवन जर्जर हो गए हैं जिसकी मरम्मत करानी जरूरी है।

ये है भेंड्रा...

पानी। तब यह केवल कोरी कल्पना मात्र भर ही लगता है, केवल कागजी घोषणा। यहां न तो इलाज के लिए अस्पताल है और न ही पानी निकासी के लिए नाली। सड़कें तो बनी हैं, लेकिन सालों पहले। याने अब उखड़ने के कगार पर है। नाली नहीं होने की वजह से गंदा पानी सड़क के उपर बहती नजर आएगी। नाली की यहां सख्त जरुरत है, लेकिन सांसद मद से अब तक फूटी कौड़ी नहीं मिली है। यहां पीने की पानी के लिए हाहाकार मचा रहता है। जल जीवन मिशन की न तो पाइप लाइन बिछी है न ही टंकी बनी है। भेंड्रा गांव को साल 2021-22 में सांसद आदर्श ग्राम घोषित किया गया था। याने लोकसभा चुनाव 2019 से ठीक दो साल बाद। इसी दौरान गांव में कार्तिकेश्वर मेले का आयोजन किया गया था। इसमें तत्कालीन सांसद और वर्तमान पत्थलगांव विधायक गोमती साय पहुंची थीं। तब ग्रामीणों ने सामुदायिक भवन की मांग की थी। इस दौरान सामुदायिक भवन निर्माण की सार्वजिनक घोषणा सांसद श्रीमती साय ने की थी, लेकिन अब तक गांव के लोग इसकी बाट जोह रहे हैं। न तो सांसद के दर्शन हुए और न ही उनके द्वारा घोषित सामुदायिक भवन बना। फरवरी खत्म और मार्च महीने लगते ही यहां पानी की किल्लत शुरु हो जाती है। गांव के लोग इसके लिए त्राहिमाम करते हैं। गांव में 4 हैंण्डपंप हैं वह भी जल स्तर गिरने की वजह से सूख जाते हैं। ले देकर निजी बोर से लोगों का काम चलता है, लेकिन उसमें भी यदि बिजली गुल हो गई तो लोगों के कंठ सूख जाते हैं। भेंड्रा का दो आश्रित गांव- भेंड्रा ग्राम पंचायत का दो आश्रित गांव है, चुहकीमार और कपाटडेरा। तीनों गांव में सांसद मद से अब तक कुछ भी काम नहीं हुआ है। जो भी काम हो रहा वह विधायक मद से। तीनों गांव मिलाकर यहां की जनसंख्या 1800 के आसपास है। मतदाता 1097 हैं और 14 वार्ड है। चुहकीमार में जल जीवन मिशन की टंकी तो बनी है, लेकिन पानी के लिए बोर नहीं है। कपाटडेरा में बहुत ज्यादा पानी की दिक्कत नहीं है। यहां हैंण्डपंप और बोर से काम चल जाता है। सबसे ज्यादा पानी की दिक्कत भेंड्रा में ही है। यहां गर्मी भर लोग परेशान रहते हैं। शिक्षक की कमी, लेकिन पूरे ब्लॉक में अव्वल - भेंड्रा गांव में एक प्रायमरी स्कूल है, यहां 66 बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन केवल दो ही शिक्षक हैं। एचएम की ड्यूटी कभी चुनाव तो कभी एसआईआर । याने अन्य कामों में ही व्यस्त रहते हैं, इसके बाद भी प्रायमरी स्कूल भेंड्रा पूरे घरघोड़ा ब्लॉक में अव्वल है। कारण यहां की शिक्षिका सुशीला तिर्की स्कूल को अपने घर जैसा ही समझती हैं। दिलचस्प बात यह है कि जिन लड़कियों को सुशीला तिर्की ने पढ़ाया है, उनकी भले ही शादी हो गई, लेकिन अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए इसी स्कूल में एडमिशन कराती हैं। याने यहां के 50 फीसदी बच्चे ननिहाल में रहकर पढ़ाई करते हैं। यही बात यहां के शिक्षा स्तर को अव्वल बनाती है। दूसरी ओर एक मिडिल स्कूल भी है, लेकिन दोनों स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। प्रायमरी स्कूल में स्मार्ट क्लास भी है जहां बच्चे स्क्रीन से पढ़ाई करते हैं। 95 फीसदी घरों में है शौचालय- हरिभूमि की टीम ने सांसद आदर्श ग्राम पंचायत भेंड्रा के एक-एक गली में जाकर लोगों से चर्चा की। लगभग यहां 95 फीसदी घरों में शौचालय है। पीएम आवास भी यहां अधिकांश लोगों को मिला है।

वर्षों बाद भी नहीं ...

स्थिति आज भी बदहाल है। अब एमसीबी जिले में आने वाले इस गाँव को सांसद द्वारा गोद लिए जाने के समय ग्रामीणों को उम्मीद थी कि गांव का तेजी से विकास होगा और मूलभूत सुविधाओं के लिए भटकना नहीं पड़ेगा, लेकिन कई वर्षों बाद भी हालात जस के तस बने हुए हैं। खड़गवां गजमरवापारा निवासी उजित कुमार ने बताया कि गांव में न तो अपेक्षित विकास कार्य हुए हैं और न ही लोगों को आज तक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो पाई हैं। उन्होंने कहा कि आदर्श ग्राम की घोषणा के बावजूद गांव में सड़क, जल, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि सांसद आदर्श ग्राम योजना के तहत खड़गवां में किए गए कार्यों की वास्तविक समीक्षा के साथ योजनाओं को धरातल पर उतारते हुए ग्राम को वास्तव में आदर्श बनाया जाए।

छह माओवादी कैडरों...

303 राइफल एवं 1 कार्बाइन सहित कुल 6 ग्रेडेड हथियार बरामद किए गए हैं।

टी-20 में...

हो गए थेए इस बार बुकिंग शुरू होने के 4 दिन बाद भी वेबसाइट पर टिकट आसानी से उपलब्ध हैं।

चार दिन बाद...

80 प्रतिशत टिकट ही बिक सके हैं, जबकि 20 प्रतिशत टिकट अब भी वेबसाइट पर उपलब्ध बताए जा रहे हैं।

फिजिकल टिकट का...

एक दलाल ने बताया कि वह 2000 से 3500 रुपए वाले टिकट, उनकी तय कीमत से 100 रुपए कम में देने को तैयार है।

ये है मामला...

से केवल एक ही मूल प्रमाण पत्रों की जांच कराने पंहुचा। बाकी के 13 गैरहाजिर रहे।

छग-झारखंड की...

गई। इस हादसे के बाद वाहन सवार ग्रामीणों में चीख पुकार मच गई।

7 के मौत...

भर्ती कराया जहां से गंभीर रूप से घायलों को उपचार के लिए रांची भेजा गया है। वहीं 25 से अधिक घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर के लिए भी रिफर किया गया है।

स्कॉर्पियो अनियंत्रित...

लोग रात में वापस घर कालीपुर लौट रहे थे। स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई। घायल 3 को कांच तोड़कर बाहर निकाला गया।

सिंगुर से पीएम...

राज और सुशासन' के बीच की लड़ाई के रूप में पेश किया तथा मतदाताओं से भाजपा के 'डबल इंजन वाली सरकार मॉडल' का समर्थन करने की अपील की। हुगली जिले के सिंगूर में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि राज्य में फर्जी दस्तावेजों के जरिये रह रहे अवैध प्रवासियों की पहचान करके उन्हें उनके देशों में वापस भेजना होगा। सिंगूर, बंगाल की राजनीति में 2008 में तृणमूल कांग्रेस द्वारा भूमि अधिग्रहण के खिलाफ किए गए आंदोलन के लिए जाना जाता है, जिसके कारण टाटा मोटर्स को अपनी छोटी कार परियोजना बंद करनी पड़ी थी। मोदी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार सीमा पर बाड़ लगाने सहित महत्वपूर्ण सुरक्षा उपायों पर केंद्र के साथ सहयोग करने में 'विफल' रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, तृणमूल कांग्रेस राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। वे घुसपैठियों को संरक्षण देने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि वे उन्हें अपना वोट बैंक मानते हैं।

7.65 रुपए की...

सिस्टम को जाम कर रहे थे। मझगांव कोर्ट ने 1977 के इस केस को पुराने केस को खत्म करने की अपनी कोशिश के तहत बंद कर दिया, जिनमें आरोपी या तो मर चुके थे, अनजान थे या उनका कोई पता नहीं चल रहा था। कोर्ट ने इंडियन पीनल कोड के सेक्शन 379 (चोरी) के तहत पकड़े गए दो आरोपियों को बरी कर दिया और निर्देश दिया कि चोरी की गई 7.65 रुपए की रकम शिकायत करने वाले को लौटा दी जाए।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- गिफ्ट शोरूम में गार्ड की आवश्यकता है (समय सुबह 11 बजे से रात 9.30 बजे) सैलरी 8000 से 10000 सम्पर्क करें- फीलिंग्स, अम्बा फ्यूल्स के सामने तारबाहर रोड बिलासपुर 8982278005 **(39698)**

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है जानकार अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8349490519 **(39699)**

आवश्यकता है- रिसेप्शनिस्ट फीमेल, कम्प्यूटर ऑपरेटर बिजी सॉफ्टवेयर अनुभवी, एलईडी लेटर बनाने वाले कारीगर की आवश्यकता है सम्पर्क करे 6263077177 बायोडाटा व्हाट्सएप पर भेजें **(39695)**

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में माल लाने, लेजाने, ट्रांसपोर्ट में छोड़ने हेतु लड़को की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- प्रीमियर एजेन्सी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (स्टूडेंट सम्पर्क नहीं करें) **(39697)**

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- 27खोली चौक मुंगेली रोड, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9827901976, 8718888555 **(39700)**

आवश्यकता है- यदुनन्दन नगर तिफरा के रियल स्टेट एंड कंस्ट्रक्शन आफिस के कार्य हेतु एक लड़के की आवश्यकता है जिसे सेल्स और कंस्ट्रक्शन का अनुभव हो वेतन 8500+ कमीशन सम्पर्क करें- 7987166040 **(39633)**

आवश्यकता है- प्रो सोलर एनर्जी कम्पनी में टेलीकॉलिंग हेतु लड़कियों (वेतन योग्यतानुसार) प्रचार प्रसार हेतु लड़कों की आवश्यकता है 10000+ 3000 पेट्रोल+ कमीशन सम्पर्क करें- सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 9302158989, 8889580567 **(39681)**

आवश्यकता है- फूड कार्ट में कार्य करने के लिए चार पांच लड़के चाहिए वेतन 8000 से 10000 कार्य समय शाम 4 से रात 11:30 बजे तक इच्छुक लड़के संपर्क करें सिप & बाइट स्वदेशी प्लाजा के सामने लिंक रोड बिलासपुर 9575113335 **(39692)**

आवश्यकता है- नई होटल कार्य करने हेतु हाउस कीपिंग, वेटर स्टाफ की आवश्यकता है वेतन 11000 से 18000 अनुभवी स्टाफ ही सम्पर्क करें- होटल रॉयलरामा पुराना बस स्टैण्ड, टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर **(39693)**

आवश्यकता है- नास्ता बनाने हेतु कुक की आवश्यकता है। समोसा इडली, डोसा, पराठा, मटर बनाने का अनुभवी हो। सम्पर्क करें- मिनोचा कॉलोनी के पास मंगला, बिलासपुर 9755655055 **(39696)**

आवश्यकता है- डीवीआई स्मार्ट स्कूल जरहागांव में प्राचार्य, एडमिनिस्ट्रेशन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, टीचर्स, एकाउंटेंट एवं प्यून चाहिए इच्छुक बायोडाटा शैक्षणिक योग्यता की कापी व्हाट्सएप करें इंटरव्यू हेतु सूचित किया जाएगा सम्पर्क करें- 9981679574 **(39694)**

आवश्यकता है-फर्निशिंग दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मरीन फोम एंड फर्निशिंग, पेट्रोल पम्प के पास भारतीय नगर चौक व्यापार विहार रोड बिलासपुर 8889978688 **(39691)**

आवश्यकता है- यश बिग बाजार में काम करने हेतु Busy अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर एवं सेल्स हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- स्टेट बैंक के सामने राजकिशोर नगर बिलासपुर 9300329794 **(39682)**

आवश्यकता है- चश्मा शोरूम में कार्य हेतु सेल्समेन चाहिए वेतन 8000 से 15000 योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- गुरुनानक चश्मा राजीव प्लाजा जिला चिकित्सालय के सामने पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर **(39671)**

आवश्यकता है- एक प्राइवेट हॉस्पिटल (लघु) चलाने के लिए रिटायर्ड डॉक्टर (MBBS) एवं स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- डॉक्टर बारिक 7999122715 **(39679)**

आवश्यकता है- किताब दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों/ लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- समय सुबह 10.30 से रात 8 तक विवेक बुक डिपो, दयालबन्द गुरुद्वारा के पास बिलासपुर 9893378899 **(39689)**

आवश्यकता है- मोटर वाइन्डर, लेथ ऑपरेटर एवं हेल्पर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। पीएफ, ईएसआईसी की सुविधा सम्पर्क करें- किशोरी ट्रेडर्स, मुख्य मार्ग सेंदरी- मोपका बायपास ग्राम नगोई, बिलासपुर 8305812303 **(39676)**

आवश्यकता है- गृहकार्य, खाना बनाने हेतु महिला की आवश्यकता है उम्र 18 से 35वर्ष वेतन- 6000 से 12000 योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- दयालबन्द, बिलासपुर 7999819387 **(39688)**

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- श्रीसाई सिक्युरिटी सर्विस, साई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू में तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291 **(39669)**

आवश्यकता है- (M/F) मैनेजर, एकाउंटेंट, सुपरवाइजर, सेल्समैन, हेल्पर चाहिए (समय 10 से 8) सैलरी 9000 से 25000 सम्पर्क करें- Farmers Pride नेचर सिटी गेट से 200 मीटर आगे सकरी रोड उसलापुर 9179294949 **(39672)**

आवश्यकता है- मिल्क पार्लर में 10 आदमियों की आवश्यकता है। जिन्हें गाड़ी चलानी आती हो सम्पर्क करें- नेचर केयर, आर्यन पब्लिक स्कूल के सामने, शक्ति चौक के पास, राजकिशोर नगर बिलासपुर 7999232712 **(39678)**

आवश्यकता है- पेमेंट रिकवरी, फील्ड वर्क, ऑफिस कम्प्यूटर ऑपरेटर बिजी, GST एकाउंट, कोटेशन के जानकार लड़के/ लड़की, रिकवरी पेमेन्ट वसूली हेतु लड़के चाहिए सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के बाजू गोड़पारा बिलासपुर 9669211111, 9827175811 **(39674)**

आवश्यकता है- फॉर्च्यूनर गाड़ी चलाने के लिए लाइसेंसधारी पूर्ण रूप से अनुभवी ड्राईवर की आवश्यकता है आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- गायत्री मन्दिर चौक के पास विद्या नगर बिलासपुर 9425221777 **(39658)**

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़कों आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ओम एजेन्सी बाल्मीकि चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर **(39675)**

आवश्यकता है- जर्नी कंसल्टेंसी ग्रुप ऑफिस में एक महिला चपरासी। (नाश्ता पानी हेतु जिसे चाय नाश्ता बनाना आता हो) ऑफिस के सभी कार्य अनुभवी रहने खाने की व्यवस्था पेमेंट योग्यतानुसार सम्पर्क 9993316757 **(39677)**

आवश्यकता है- स्टेशनरी शॉप में कार्य करने हेतु बीसी सॉफ्टवेयर ऑपरेटर (एकॉउंटस) एवं लड़के/ लड़की की आवश्यकता है। अनुभवी सम्पर्क करें- भाटिया इंटरप्राइजेज, पेट्रोल पम्प के बाजू में नेहरू चौक बिलासपुर 7587259295 **(3180)**

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में दो ग्राफिक डिजाइनर चाहिए जिन्हें कोरलड्रॉ, फोटोशॉप, सोशल मीडिया ऑपरेट करना आता हो। वेतन 5अंकों में+ अच्छा काम करने पर इंसेंटिव सम्पर्क करें- गोल बाजार बिलासपुर 9131155033, 9827180896 **(39666)**

आवश्यकता है- तिलक नगर बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने, होम्योपैथीक क्लिनिक में काम करने के लिए लड़की की जरूरत है संपर्क समय सुबह 10 से 12 मो. 9329370041 **(39663)**

आवश्यकता है- बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु ,रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़को की आवश्यकता है रूम बिजली की सुविधा फ्री है पता बंजारी मंदिर के पास रावाभाटा रायपुर 7828735534 **(39664)**

आवश्यकता है- वेल्डर की फायर फाइटिंग प्रोजेक्ट के एमएस पाईप लाइन के कार्य हेतु वेल्डर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- एमएस सर्विसेस सरकंडा बिलासपुर 9039524801, 9753511108 **(39657)**

आवश्यकता है- रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीरचांपा, कोरबा, रायगढ़ हेतु वेल्डर, कटरफिटर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, हेल्पर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, चपरासी स्टोरकीपर, सुपरवाइजर 5वीं-ग्रेजुएट वेतन 11000 से 30000 रहना फ्री नया पता- बस स्टैण्ड बिलासपुर 7898973405 **(39659)**

आवश्यकता है- ऑफिस ब्वाय- 3 पद, समान पैकेजिंग, लोडिंग अनलोडिंग, ऑटो चालक एवं सफाई कार्य हेतु व्यक्तियों की आवश्यकता है वेतन- 9000 से 12000 प्रति माह सम्पर्क करें- 07879364778 **(39662)**

आवश्यकता है- Zee Guard Solar Industries को Manager, Marketing Manager, फिल्ड ऑफिसर, Surveyor, Counselor, TeleCaller, वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, पिकअप ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन (10000 से 35000) सम्पर्क- Narayan Plaza, Bilaspur 9755990933, 8085045559 **(39665)**

आवश्यकता है- बिलासपुर, जांजगीर, खरसिया जिलों में सुरक्षा गार्ड, सुपरवाईजर, ड्राइवर की आवश्यकता है पीएफ ईएसआई मेडिकल आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धि विनायक सिक्युरिटी राजेन्द्र नगर बिलासपुर 9111175190, 9098318675 **(467)**

आवश्यकता है-आफिस, कम्प्यूटर कार्य हेतु अनुभवी आपरेटर, बागवानी कार्य हेतु मैनेजर, कार ड्राइवर, कुक, घरेलू कार्य, किराए के घर की देखभाल हेतु मैनेजर कोर्ट कचहरी हेतु मुंशी चाहिए मो- 8078280001 **(39611)**

आवश्यकता है-इलेक्ट्रॉनिक एवं फर्नीचर शोरूम में काम करने हेतु लड़के चाहिए। आकर्षक वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- सुधा सेल्स, सत्या शोरूम के बाजू में, नूतन चौक, सरकण्डा, बिलासपुर 9827497999 **(39630)**

आवश्यकता है- 500/- प्रतिदिन चौकीदार (परिवार वाला) फटाका जमाना पैकिंग, बिल बनाना, ड्राइवर लड़कों की आवश्यकता सम्पर्क तापड़िया फटाका, नेमीचंद गली तेलघानीनाका चौक रायपुर **(164)**

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, 20000 मार्केटिंग ऑफिसर 3, 40000 योग्यता MA/MBA सुपरवाइजर 15, 15000 फील्ड अधिकारी 5, सुरक्षा गार्ड 66, 13000, 10000 वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय-06, जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019 **(348)**

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में माल निकालने /जमाने हेतु लड़कियों, पैकिंग हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें:- सलुजा मेडिकल एजेंसी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा **(480)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28 वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री सम्पर्क करें- 7870192397, 7796880121 **(455)**

आवश्यकता है- ऑफिस में टेलीकॉलिंग काम करने के लिए लड़कियों व महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5,000+ कमीशन बोनस एक्स्ट्रा संपर्क करें:- मंगला चौक बिलासपुर 8120822435 **(481)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

बेचना है

बेचना है- जिला मुंगेली तहसील पथरिया के ग्राम पकरिया और ग्राम रामबोड. में खेत खसरा नं-240 (45 डिसमिल) एवं खसरा नं-33/2 (1एकड़ 17 डिसमिल) खेत बेचना है खरीददार सम्पर्क करें- 8319235183, 6264828931 **(39667)**

बेचना है- TNC प्रोजेक्ट (सर्वसुविधायुक्त Plot & Home) मंगला धुरीपारा रोड एवं रतनपुर मेन रोड से 500 मीटर अन्दर, सेन्दरी मोपका बाईपास फोर लेन के ऊपर बेचना है सम्पर्क करें- 9827157523, 7898318935 **(39660)**

बेचना है- (1) बलेजा स्मार्ट रोड पर 1562 वर्गफुट कामर्शियल प्लॉट (2) सागरदीप कालोनी स्वतंत्र मकान (3) वार्ड नं.-1 शांति नगर प्लॉट (4) सकरी बटालियन सामने 100 फुट रोड पर 80डिस. जमीन शादी घर, फैक्टरी अन्य हेतु कमर्शियल प्लाट सम्पर्क- 9340723055, 9827408205 **(39670)**

बेचना है- बिलासपुर सिरगिट्टी में, गोविन्दनगर में, 3225 वर्गफीट का पूर्वमुखी, डाइवर्टेड प्लॉट और व्यापार विहार में एक कॉमर्शियल प्लाट बेचना है। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें। सम्पर्क - 9630083740 9770676030 **(39655)**

बेचना है- प्लॉट बेचना है समृद्धि विहार सेंदरी बिलासपुर में 1250 वर्गफीट प्लॉट की बिक्री करना है। कीमत 2400/- प्रति वर्गफीट सम्पर्क करें- 9755786671, 9752020227 **(39685)**

आपके सपनों का आशियाना
जल्द होगा आपका...
पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड
सब कुछ है यहां

किराए से चाहिए

किराए से चाहिए-तिफरा, मोपका, आदर्श नगर (सिरगिट्टी रोड), कोनी, तोरवा, हेमू नगर में मेन रोड पर 600 वर्गफीट (20×30) की दुकान किराए पर चाहिए है। सम्पर्क करें- 8349054531, 7880042169 **(39637)**

किराये

किराया- शांति नगर गोविन्दम पैलेस के सामने 2BHK, नेचरसिटी में 2BHK, 1BHK फैमिली को एवं राजेन्द्र नगर में 2BHK स्वतंत्र मकान फैमिली/ सेमी कमर्शियल किराये से देना है। सम्पर्क 7999205535, 8821888440 **(39668)**

फाइनेन्स

फाइनेन्स-राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा सभी प्रकार के लोन, बिजनेस, मार्क शीट, आधार कार्ड प्रॉपर्टी, कृषि, होमलोन 1% सालाना ब्याज व 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करे नोट-धोखेबाजों से सावधान हेड ऑफिस लोन डिपार्टमेंट मो. 9350674841, 9350674841 **(465)**

फायनेंस- रोजगार योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधारकार्ड पर (50,000/- से 25 लाख तक) (1% ब्याज वार्षिक) प्रॉपर्टी, पर्सनल, बिजनेस, दुकानदारी, ग्रुप लोन, सिविल खराब लोन पाए संपर्क 9311830460 **(479)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

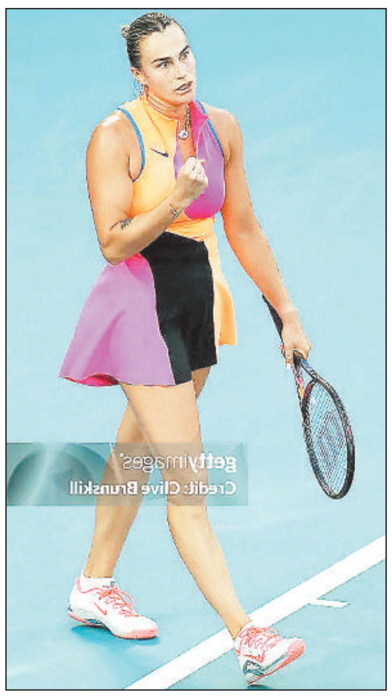

सबालेंका और अल्काराज ने बनाई दूसरे दौर में जगह, रिकॉर्ड बनाकर हारी वीनस

ऑस्ट्रेलियाई ओपनः लेवर और फेडरर दर्शकों के बीच रहे उपस्थित

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी एरीना सबालेंका और पुरुष वर्ग में पहली वरीयता प्राप्त अल्काराज ने धीमी शुरुआत से उबरकर रविवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई लेकिन सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का नया रिकार्ड बनाने वाली वीनस विलियम्स को पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। सबालेंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने पहले तीन गेम गंवा दिए। इसके बाद हालांकि उन्होंने जल्द ही लय हासिल करके तियांतसोआ राकोटोमांगा राजाओनाह को 6-4, 6-1 से हरा दिया। दिग्गज खिलाड़ी रॉड लेवर और रोजर फेडरर भी इस मैच को देखने के लिए दर्शकों के बीच उपस्थित थे।

महिला वर्ग में दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बाहर

महिला वर्ग में दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को पहले दौर में ही बाहर का रास्ता देखना पड़ा। एल्सा जैक्वेमोट ने नंबर 20 मार्टा कोस्त्युक को 6-7 (4), 7-6 (4), 7-6 (7) से बाहर किया जबकि तुर्की की क्वालीफायर ज़ेनेप सोनमेज ने नंबर 11 एकातेरिना एलेक्सांद्रोवा को 7-5, 4-6, 6-4 से उलटफेर का शिकार बनाया।

वीनस बनीं सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

वीनस वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में 45 साल की उम्र में महिला एकल का मैच खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई है लेकिन उन्हें तीन सेट तक चले मैच में ओल्गा डैनलोविच से 7-6 (5), 3-6, 4-6 से पराजय झेलनी पड़ी। वीनस ने सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने के रिकॉर्ड के मामले में जापान की किमिको दाते (44 साल) को पीछे छोड़ा। पिछले साल के उपविजेता ज्वेरेव ने कनाडा के 24 वर्षीय खिलाड़ी गैब्रियल डियालो के खिलाफ अच्छी शुरुआत नहीं की लेकिन इसके बाद उन्होंने अपने अनुभव और दमदार सर्विस के दम पर वापसी करते हुए 6-7 (7), 6-1, 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। वह लगातार दसवें साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे हैं।

जैस्मीन को नहीं हुए मैच जीतने में परेशानी

महिला वर्ग में सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने पहले दौर में अलीअक्सांद्रा सास्नोविच को 6-1, 6-2 से हराया। इटली की इस खिलाड़ी को यह मैच जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने पहला सेट केवल 27 मिनट में जीत लिया था और इसके बाद भी अपनी लय बरकरार रखी। इटली के विश्व रैंकिंग में 20वें नंबर पर काबिज फ्लेवियो कोबोली टूर्नामेंट से बाहर होने वाले पहले वरीयता प्राप्त पुरुष खिलाड़ी बन गए। उन्हें ब्रिटिश क्वालीफायर आर्थर फेरी ने 7-6 (7), 6-4, 6-1 से हराया।

टियाफो ने कुबलर को दी मात

पुरुषों के वर्ग में ही नंबर 29 फ्रांसेस टियाफो ने जेसन कुबलर को 7-6 (4), 6-3, 6-2 से और माइकल झेंग ने सेबेस्टियन कोर्डा को 6-4, 6-4, 3-6, 6-7 (0), 6-3 से हराया। महिला वर्ग में नंबर 12 एलिना स्वितोलिना ने क्रिस्टीना बुक्सा को 6-4, 6-1 से हराया जबकि मारिया सकारी ने लियोलिया जीनजीन पर 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। विंबलडन की पूर्व चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा ने पहले दौर के मैच से पूर्व कंधे की चोट के कारण नाम वापस ले लिया। इससे क्वालीफाइंग राउंड में खेल चुकी टेलर टाउनसेंड को मुख्य ड्रॉ में जगह मिल गई, जहां उनका सामना हैली बैपटिस्ट से हुआ। अमेरिका की दो खिलाड़ियों के बीच खेले गए इस मुकाबले में बैपटिस्ट 6-3, 6-7 (3), 6-3 से विजयी रही।

खबर संक्षेप

बीडब्ल्यूएफ जारी रखेगा 'टाइम क्लॉक' ट्रायल

नई दिल्ली। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) अगले सप्ताह इंडोनेशिया मास्टर्स में 25 सेकेंड की 'टाइम क्लॉक' का परीक्षण करेगा। उसकी यह पहल चुनिंदा विश्व टूर टूर्नामेंट में जारी रहेगी, जिसका उद्देश्य रणनीतिक देरी पर अंकुश लगाना और मैच की लय को मानकीकृत करना है। हालांकि इस कदम पर खिलाड़ियों और कोच की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। इस प्रणाली के तहत जैसे ही अंपायर स्कोर अपडेट करता है, 'टाइम क्लॉक' शुरू हो जाती है। सर्व करने वाला खिलाड़ी और रिसीवर, दोनों को 25 सेकेंड के भीतर सर्व और रिसीव के लिए तैयार होना अनिवार्य होता है।

आईएसपीएल ने की श्रीनगर फ्रेंचाइजी के सह-स्वामित्व के लिए बोलियां आमंत्रित

मुंबई। इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) ने बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार के स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी श्रीनगर के वीर के सह-स्वामित्व के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। श्रीनगर के वीर फ्रेंचाइजी का टूर्नामेंट में अभी तक अच्छा प्रदर्शन रहा है। वह पहले सत्र में सेमीफाइनल में पहुंची थी जबकि दूसरे सत्र में उपविजेता रही थी। इस लीग का संचालन एक कोर कमेटी करती है, जिसमें सचिन तेंदुलकर, आशीष शेलार, मिनल अमोल काले, सूरज सामत आदि शामिल हैं। इस लीग में अमिताभ बच्चन (माझी मुंबई), सलमान खान (दिल्ली सुपरहीरोज), अजय देवगन (अहमदाबाद लायंस), सौरव गांगुली, सैफ अली खान और करीना कपूर खान (टाइगर्स ऑफ कोलकाता), ऋतिक रोशन (बेंगलुरु स्ट्राइकर्स), सूर्या (चेन्नई सिंगम्स) और राम चरण (फाल्कन राइजर्स हैदराबाद) सहित कई मशहूर हस्तियां भी फ्रेंचाइजी के सह-मालिक हैं। श्रीनगर के वीर फ्रेंचाइजी के सह स्वामित्व के लिए बोलियां 31 जनवरी को बंद हो जाएंगी।

अंडर आर्म सर्विस करके माउटेट ने खींचा ध्यान

मेलबर्न। कोरेंटिन माउटेट ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दिन रविवार को मैच प्वाइंट पर अंडरआर्म सर्विस करके लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। किआ एरिना में मौजूद दर्शकों ने उनकी हूटिंग भी की, लेकिन 32वीं वरीयता प्राप्त माउटेट विचलित नहीं हुए। फ्रांस के इस खिलाड़ी ने बाद में कहा कि उन्होंने ट्रिस्टन स्कूलकेट पर 6-4, 7-6 (1), 6-3 की जीत हासिल करने के लिए जो करना था, वह किया। उन्होंने कहा कि सर्विस करने का उनका यह तरीका योजनाबद्ध होने के बजाय सहज प्रवृत्ति पर आधारित था। माउटेट ने कहा, 'मैंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि मुझे लगा कि इससे मैं अंक हासिल कर सकता हूं और आखिर में मैं अंक हासिल करने में भी सफल रहा।

कीवी टीम ने 41 रन से जीता मैच, श्रृंखला 2-1 से की अपने नाम

न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक कामयाबी, 37 साल बाद भारत में जीती वनडे सीरीज, कोहली का शतक बेकार

एजेंसी ▶▶| इंदौर

बल्लेबाज विराट कोहली (124 रन) का 54वां वनडे शतक भी भारतीय टीम के काम नहीं आ सका, जिससे न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल (137 रन) और ग्लेन फिलिप्स (106 रन) के शतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से रविवार को तीसरे और अंतिम क्रिकेट मैच में 41 रन की जीत से श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। न्यूजीलैंड के लिए यह मैच काफी महत्वपूर्ण था क्योंकि उसने 1989 से द्विपक्षीय वनडे मुकाबलों के लिए भारत का दौरा शुरू किया था लेकिन यहां कभी भी श्रृंखला नहीं जीती थी। इस जीत से उसने 37 साल बाद भारत में श्रृंखला जीतने का इंतजार खत्म किया।

न्यूजीलैंड ने किया 337 रन का मजबूत स्कोर

भारत के तेज गेंदबाजों के शुरुआती झटकों के बावजूद न्यूजीलैंड ने मिचेल के लगातार दूसरे शतक और फिलिप्स के तूफानी सैकड़े से आठ विकेट पर 337 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। कोहली (108 गेंद) का दबाव में खेला गया शानदार और जुझारू शतक भारतीय टीम के काम नहीं आ सका, जिससे टीम जवाब में 46 ओवर में 296 रन पर ढेर हो गई। इससे भारत को घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड से पहली द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में हार का मुंह देखना पड़ा। दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे लेकिन कोहली डटे रहे और पारी के अंत में आउट हुए। न्यूजीलैंड के लिए जैकरी फोक्स ने 77 रन देकर तीन और क्रिस्टियन क्लार्क ने 54 रन देकर तीन तीन विकेट झटके। वहीं जेडन लेनोक्स ने 42 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

कोहली ने लगाया 54 वनडे शतक, पोंटिंग-सहवाग का तोड़ा रिकॉर्ड

दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने वनडे करियर का 54वां शतक पूरा कर लिया है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के तीसरे मुकाबले में 91 गेंद पर शतक लगाया। एक छोर से टीम इंडिया के विकेट गिरते गए लेकिन दूसरे छोर से विराट डटे रहे और पारी को संभालते रहे। न्यूजीलैंड के खिलाफ वह सबसे ज्यादा 7 वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बने।उन्होंने वडोदरा में पहले वनडे में भी 93 रन की पारी खेली थी। वहां वह शतक से चूके थे लेकिन इंदौर में उन्होंने पारी को संभाले रखा और बेहतरीन शतक जड़ा। वह अब न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने के मामले में नंबर 1 बने। उन्होंने रिकी पोंटिंग और वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ा। विराट कोहली का यह इंटरनेशनल करियर का 85वां शतक है। अब वह सचिन तेंदुलकर के 100 शतकों के महारिकॉर्ड से 15 शतक दूर हैं।

मिचेल और फिलिप्स ने की 219 रन की साझेदारी

मिचेल और फिलिप्स ने चौथे विकेट के लिए 188 गेंद में 219 रन की साझेदारी करके पारी की पूरी तस्वीर बदल दी। मिचेल (131 गेंद, 15 चौके, तीन छक्के) ने संयम और नियंत्रण के साथ पारी को संभाला जबकि फिलिप्स (88 गेंद, नौ चौके, तीन छक्के) ने आक्रामक अंदाज में रन गति बढ़ाई, जिससे सतर्क शुरुआत के बाद न्यूजीलैंड की पारी का रूख ही बदल गया।

भारत ने 71 रन पर खोए चार विकेट

लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने 71 रन पर चार विकेट खो दिए थे। फिर कोहली और नीतिश कुमार रेड्डी (53 रन) ने पांचवें विकेट के लिए 88 गेंद में इतने ही रन की साझेदारी निभाई। कोहली ने लेनोक्स पर एक रन लेकर अर्धशतक पूरा किया तो वहीं नीतिश ने ग्लेन फिलिप्स पर काउ कॉर्नर पर छक्का जड़कर अपना अर्धशतक पूरा किया। पर चार गेंद बाद ही क्रिस्टियन क्लार्क की गेंद को पुल करने की कोशिश में यंग को कैच थमा बैठे। रोहित शर्मा (11 रन) ने पारी की पहली ही गेंद पर चौका जड़कर फिर शानदार अंदाज में शुरूआत की। दूसरे छोर पर कप्तान शुभमन गिल भी शॉट लगाकर अच्छी लय में दिख रहे थे। चौथे ओवर में जैकरी फॉक्स पर रोहित ने एक्स्ट्रा कवर पर अपनी पारी का दूसरा चौका लगाया लेकिन अगली गुड लेंथ को जल्दी खेलने के कारण मिडऑन में क्लार्क को कैच देकर आउट हो गए।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे शतक

7	–	विराट कोहली (36 पारी)*
6	–	रिकी पोंटिंग (50 पारी)
6	–	वीरेंद्र सहवाग (23 पारी)
5	–	सचिन तेंदुलकर (41 पारी)
5	–	सनथ जयसूर्या (45 पारी)

मुंबई मैराथन

इथियोपियाई धावकों का दबदबा अबाते और येशी ने जीता खिताब

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मुंबई मैराथन में एक बार फिर इथियोपियाई धावकों का दबदबा देखने को मिला, जिसमें ताडु अबाते देमे और येशी कलायू चेकोले ने क्रमशः पुरुष और महिला एलीट वर्ग के खिताब अपने नाम किए। अबाते ने पुरुष एलीट वर्ग में दो घंटे नौ मिनट 55 सेकंड का समय लेकर जीत दर्ज की, जबकि उनकी हमवतन येशी ने 2:25:13 के समय के साथ खिताब जीता। मुंबई मैराथन में 21 चरणों में यह सातवीं बार है जब इथियोपियाई धावकों ने पुरुष और महिला दोनों खिताब एक साथ जीते हैं। पुरुष एलीट रेस में कीनिया के लियोनार्ड किपरोतिच लंगाट (2:10:10) दूसरे और इरिट्रिया के मेरहावी केसेटे वेल्डेमारियम (2:10:22) तीसरे स्थान पर रहे। महिला एलीट रेस में इथियोपियाई धावकों ने क्लीन स्वीप किया। किडसान अलेमा गेब्रेमेधिन (2:27:35) दूसरे और गोज्जाम त्सेगाये एनीयू (2:28:27) तीसरे स्थान पर रहीं।

भारतीय महिला एलीट वर्ग में संजीवनी ने जीता खिताब

भारतीय महिला एलीट वर्ग में संजीवनी जाधव ने 2:49:02 के समय के साथ खिताब जीता। निर्माबेन ठाकोर (2:49:13) दूसरे और सोनम (2:49:24) तीसरे स्थान पर रहीं। भारतीय एलीट पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष तीन धावकों को क्रमशः पांच लाख रुपए, चार लाख रुपए और तीन लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी गई। विश्व एथलेटिक्स रोड रेस गोल्ड लेबल प्रतियोगिता मुंबई मैराथन इस साल नए रूट पर आयोजित की गई। पहली बार धावकों को नव-निर्मित मुंबई कोस्टल रोड और प्रतिष्ठित बांद्रा-वर्ली सी लिंक से होकर दौड़ने का अनुभव मिला।

टाटा स्टील मास्टर्स

एरिगैसी ने 32 चालों में जीता गेम, प्रज्ञाननंदा को हराया

एजेंसी ▶▶| विज्क आन जी

शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जुन एरिगैसी ने हमवतन आर प्रज्ञाननंदा को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की जबकि विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने पहले दौर में उज्बेकिस्तान के विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेला। पर्यावरण कार्यकर्ताओं के विरोध के कारण खेल समय पर शुरू नहीं हो पाया था लेकिन इसके बाद जब दुनिया के सबसे पुराने टूर्नामेंट में से एक में खेल शुरू हुआ तो फिर कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस प्रतियोगिता की पहली जीत अमेरिका के हैंस मोके नीमन ने हासिल की, जिन्होंने स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव हो हराया। जर्मन खिलाड़ी विन्सेंट कीमर दिन के दूसरे विजेता रहे। उन्होंने नीदरलैंड के स्टार खिलाड़ी अनीश गिरी को पराजित किया।

- गुकेश ने सिंदारोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में खेला ड्रॉ

चिदंबरम ने ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ के साथ की शुरुआत

इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम ने भी जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ के साथ शुरुआत की। अन्य मुकाबलों में तुर्की के यागिज़ कान एर्दोगमस ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकुबोएव के साथ जबकि नीदरलैंड के जॉर्डन वान फॉरेस्ट ने चेक गणराज्य के थाई दाई वान गुयेन के साथ ड्रॉ खेला।

बढ़त पर एरिगैसी, कीमर और नीमन

पहले दौर के बाद एरिगैसी, कीमर और नीमन एक-एक अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं, जबकि गुकेश और सात अन्य खिलाड़ी उनसे आधा अंक पीछे हैं। अपने मित्र प्रज्ञाननंदा के खिलाफ एरिगैसी ने शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया। प्रज्ञाननंदा ने शुरू में ही एक गलती कर दी, जिससे उनका राजा बीच में फंस गया, जिसका एरिगैसी ने पूरा फायदा उठाया और केवल 32 चाल में मुकाबला जीत लिया। गुकेश भी जीत के करीब पहुंच गए थे लेकिन सफेद मोहरों से खेल रहे सिंदारोव के खिलाफ अपनी मजबूत स्थिति को जीत में तब्दील नहीं कर सके। यह दिन का सबसे लंबा मुकाबला था, जो 78 चाल में ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

इंग्लैंड के पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों को मिला वीजा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में भाग लेने वाले पाकिस्तान मूल के सभी 42 खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वीजा संबंधी औपचारिकताओं को सुविधाजनक बनाने के लिए कदम उठाया है। इंग्लैंड की टीम में पाकिस्तानी मूल के क्रिकेटरों में स्पिनर आदिल राशिद, रेहान अहमद और तेज गेंदबाज साकिब महमूद शामिल हैं। अमेरिका की टीम में अली खान और शायन जहांगीर तथा नीदरलैंड की टीम में जुल्फिकार साकिब जैसे पाकिस्तानी मूल के कुछ खिलाड़ी शामिल हैं। इंग्लैंड के खिलाड़ियों राशिद, रेहान और साकिब के वीजा आवेदन पहले ही मंजूर किए जा चुके हैं। नीदरलैंड की टीम के सदस्यों और कनाडा के सहयोगी स्टाफ के सदस्य शाह सलीम जफर को भी वीजा मिल चुका है। संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, इटली, बांग्लादेश और कनाडा की टीम में शामिल पाकिस्तानी राष्ट्रीयता या पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वीजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है।

इंडिया ओपन चैंपियनः लिन चुन यी और आन से यंग ने जीता खिताब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चीनी ताइपे के लिन चुन यी ने रविवार 950,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल में अपना पहला सुपर 750 खिताब जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने महिला एकल का खिताब जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। वर्तमान में विश्व में 12वीं रैंकिंग पर काबिज 26 वर्षीय लिन ने पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद शानदार वापसी करते हुए फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 21-10, 21-18 से हराकर पुरुष एकल का खिताब अपने नाम किया।

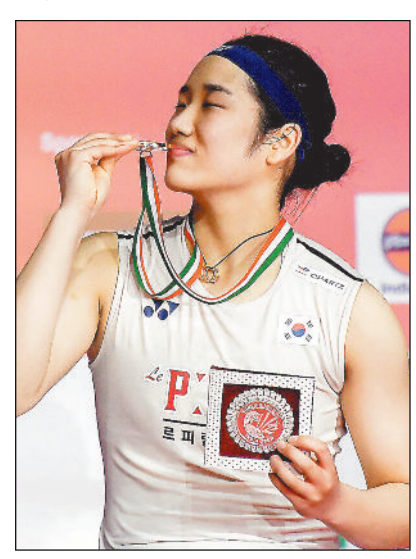

आन से यंग का दबदबा कायम

महिला एकल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और मौजूदा चैंपियन आन से यंग ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुए चीन की विश्व में नंबर दो खिलाड़ी वांग झियी को 21-13, 21-11 से हराकर सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता। युगल स्पर्धा में लियू शेंगशु और टैन निंग की चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला जोड़ी ने 58 मिनट तक चले महिला युगल फाइनल में जापान की पांचवीं वरीयता प्राप्त युकी फुकुशिमा और सायका मात्सुमोतो पर 21-11, 21-18 से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया।

डब्ल्यूपीएल : आज शाम 7.30 बजे से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात जायंट्स में भिड़ंत

जीत का सिलसिला जारी रखने मैदान में उतरेगी आरसीबी

एजेंसी ▶▶| वडोदरा

अब तक अपने चारों मैच जीत कर उत्साह से भरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम गुजरात जायंट्स के खिलाफ सोमवार को होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में अपना विजय अभियान जारी रखने के लिए मैदान पर उतरेगी।

कप्तान स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी की टीम ने अभी तक खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है और उसकी टीम को हराना आसान नहीं होगा। दूसरी तरफ गुजरात जायंट्स ने पहले दो मैच जीत कर इस सत्र की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद वह अगले दो मैच में हार गई और अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गई।

स्मृति ने की फॉर्म में वापसी

आरसीबी के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि कप्तान मंधाना ने फॉर्म में वापसी की है। उन्होंने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आठ विकेट से मिली शानदार जीत में 96 रन की मैच विजेता पारी खेली। सलामी बल्लेबाज ग्रेस हैरिस ने भी अच्छी शुरुआत की है लेकिन वह उन्हें बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहीं हैं। पिछले मैच में जॉर्जिया वोल ने भी नाबाद 54 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। आरसीबी के पास ऋचा घोष, नादिन डी क्लर्क, गौतमी नायक और राधा यादव जैसी आक्रामक बल्लेबाज भी हैं, जिससे बल्लेबाजी उसका सबसे मजबूत पक्ष बन गया है।

आरसीबी की गेंदबाजी इकाई मजबूत

आरसीबी की गेंदबाजी इकाई भी काफी मजबूत है, जिसमें लॉरेन बेल और सायली सतघरे जैसी गेंदबाज शुरुआती ओवरों में जिम्मेदारी संभालती हैं जबकि श्रेयांका पाटिल, प्रेमा रावत और राधा यादव जैसे स्पिनरों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। आरसीबी ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ पिछला मैच जीता था और इससे भी उसकी टीम को आत्मविश्वास मिलेगा।

गुजरात जायंट्स को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एशले गार्डनर की अगुवाई वाली गुजरात जायंट्स की टीम में बेथ मूनी, सोफी डिवाइन, कनिका आहूजा, गार्डनर, जॉर्जिया वेयरहम और भारती फुलमाली जैसी अच्छी बल्लेबाज शामिल हैं, लेकिन इन सभी को मिलकर अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। गुजरात जायंट्स की गेंदबाजी की कमान रेणुका सिंह संभाल रही हैं, जो टूर्नामेंट में अब तक प्रभावित करने में विफल रही हैं। डिवाइन ने अभी तक बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उन्हें अन्य खिलाड़ियों से सहयोग की जरूरत है।

क्या है उनाकोटी मंदिर की 99 लाख 99 हजार 999 मूर्तियों का रहस्य

अगरतला। भारत के त्रिपुरा में स्थित उनाकोटी मंदिर को बेहद रहस्यमयी माना जाता है। इस मंदिर में कुल 99 लाख 99 हजार 999 पत्थर की मूर्तियां हैं, जिनके रहस्य से अभी तक पर्दा नहीं उठाया जा सका है। भारत में कई मंदिर हैं, जिन्हें रहस्यमयी माना जाता है। इन मंदिरों के रहस्य से अभी तक पर्दा नहीं उठ पाया है। ऐसा ही एक मंदिर है, जहां कुल 99 लाख 99 हजार 999 पत्थर की मूर्तियां हैं। इस मंदिर के रहस्य को कई विद्वानों ने सुलझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। इस मंदिर की 99 लाख 99 हजार 999 मूर्तियां रहस्य है। इन पत्थर की मूर्तियों को किसने बनाया? कब और क्यों बनाई गईं ये मूर्तियां।

उनाकोटी मंदिर के बारे में मान्यता है कि एक बार भगवान शिव एक करोड़ देवी-देवताओं के साथ कहीं पर जा रहे थे। सभी देवी-देवता सो गए। सुबह जब भगवान शिव उठे, तो सभी देवी देवता अभी सो ही रहे थे। शिव जी ने क्रोधित होकर श्राप दे दिया और सभी देवी-देवता पत्थर के बन गए। 99 लाख 99 हजार 999 मूर्तियों की यही वजह है।

ग्रीस में मिला खजाने से भरा हुआ प्राचीन काल का मंदिर

ग्रीस के एविया द्वीप पर पुरातत्वविदों को एक बेहद पुराना और अनजाना ग्रीक मंदिर मिला है। यह सोने-चांदी के गहनों और कीमती चीजों से भरा हुआ है। यह मंदिर करीब 2700 साल पुराना बताया जा रहा है।

एथेंस। ग्रीस में मिले अवशेष बताते हैं कि यह जगह सिर्फ पूजा का नहीं, बल्कि बहुत लंबे समय तक धार्मिक गतिविधियों का केंद्र रही है। ग्रीस के संस्कृति मंत्रालय की जानकारी के अनुसार यह खोज अमरिसिया आर्टेमिस के मशहूर मंदिर के पास हुई है। खुदाई का काम 2023 में पूरा हुआ था। अब इसके नतीजों को सार्वजनिक किया गया है। शोधकर्ताओं की टीम को यहां एक ऐसा मंदिर मिला, जिसकी जानकारी पहले कहीं दर्ज नहीं थी।

बता दें, यह मंदिर ग्रीस के दूसरे सबसे बड़े द्वीप एविया पर मिला है। यह जगह अमरिसिया आर्टेमिस मंदिर के काफी पास है। नया मिला मंदिर लगभग 100 फीट लंबा है, जो उस दौर के ग्रीक मंदिरों के आकार से मेल खाता है। मंदिर की बाहरी दीवारें और पश्चिम दिशा में बना एक मेहराब अब भी साफ दिखाई देता है।

राख से भरे चूल्हे

मंदिर के अंदर कई ऐसे ढांचे मिले हैं जिन्हें आग जलाने और पूजा के लिए इस्तेमाल किया जाता था। इनमें से एक वेदी घोड़े की नाल जैसी आकार की है, इसे सबसे अलग मानी जा रही है। इन वेदियों में मोटी परत में राख मिली है, जिसमें जली हुई हड्डियां भी पाई गई हैं। इससे साफ होता है कि यहां लंबे समय तक पूजा और बलि दी जाती रही होगी। कुछ वेदियां मंदिर बनने से भी पुरानी हो सकती हैं।

कीमती गहनों का खजाना

खुदाई के दौरान टीम को सिर्फ पूजा से जुड़ी चीजों के साथ, बल्कि काफी कीमती खजाना भी मिला। यहां सोने, चांदी, मूंगा और एंबर से बने गहने मिले हैं। इसके अलावा पूर्वी देशों से आए ताबीज, कांसे और लोहे के सामान भी पाए गए। साथ ही अलबास्टर के बर्तन, एथेंस शैली के फूलदान और स्थानीय पूजा के घड़े भी मिले हैं।

मंदिर से भी पुराने सबूत

मंदिर के सबसे पुराने हिस्सों में छोटी मूर्तियां मिली हैं। इनमें बैल और मेढ़े की आकृतियां हैं। इसके अलावा मायसीनियन दौर का मिट्टी का बना बैल का सिर भी मिला है। जांच में यह भी पता चला है कि इस जगह पर मंदिर बनने से पहले भी इमारतें मौजूद थीं।

पुराने किलेबंदी के निशान

मंदिर वाली पहाड़ी पर आगे की खुदाई में तांबे के शुरुआती दौर की बड़ी दीवारें भी मिली हैं। ऐसा माना जा रहा है कि ये दीवारें किसी प्राचीन बस्ती की सुरक्षा के लिए बनाई गई थीं। इससे साफ होता है कि यह जगह हजारों साल तक इंसानों की गतिविधियों का केंद्र रही है। बता दें कि पुरातत्वविदों का कहना है, खुदाई अभी जारी है और जैसे-जैसे नीचे की परतें खुलेंगी इस जगह के इतिहास से जुड़े और भी बड़े राज सामने आ सकते हैं। भले ही ज्यादातर गहने मिल चुके हों, लेकिन यह स्थल प्राचीन ग्रीक सभ्यता को समझने के लिए बेहद अहम साबित हो रहा है।

मालिक की हो चुकी मौत, फिर भी कुत्ता हर रोज करता है लौटने का इंतजार

चीन की एक घटना ने लोगों को हैरान भी किया है और ये साबित भी कर दिया है कि कुत्ते सच में कितने वफादार होते हैं। दरअसल, यहां एक कुत्ता अपने मालिक की मौत से अनजान पिछले कई दिनों से उसका इंतजार कर रहा है। दरअसल, चीन में एक पालतू कुत्ता हफ्तों से अपने मालिक के घर के बाहर उसका इंतजार कर रहा है, क्योंकि उसे पता नहीं है कि उसकी मालिक की मौत हो चुकी है।

हैरानी की बात तो ये है कि वो इतने गम में डूबा हुआ है कि ठीक से खाना भी नहीं खाता। इस कुत्ते की वफादारी ने सोशल मीडिया यूजर्स का दिल जीत लिया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस कुत्ते की मार्मिक कहानी की तुलना साल 2009 में आई फिल्म 'हाचीः ए डॉग्स टेल' से की गई है, जो जो 1920 के दशक में घटी जापान की एक सच्ची घटना से प्रेरित है।

1 दिन में 100 जिंदा कीड़े खाता है लड़का, पॉपकॉर्न जैसा स्वाद!

दुनिया में कई अलग-अलग किस्म की डिशेज खाई जाती हैं। कुछ इतनी स्वादिष्ट और अनोखी होती हैं कि लोग सिर्फ उसे खाने के लिए दूसरे शहर, राज्य या देश तक पहुंच जाते हैं। पर कई इतनी घिनौनी होती हैं कि आपको उनके बारे में सुनकर ही हैरानी होगी। दरअसल, लोग अपने टेस्ट और पसंद के हिसाब से ही खाना खाते हैं। किसी को छोले-चावल खाना पसंद हो सकता है तो किसी को पिज्जामगर एक लड़के को इन सबसे से बेहद अलग किस्म की डिश पसंद है। ये अमेरिकी लड़का बग यानी कीड़े खाता है। वो भी 1 दिन में 100 कीड़े! उसका कहना है कि इन कीड़ों का स्वाद बटर पॉपकॉर्न जैसा होता है। यही नहीं, उसे कीड़ों का जीभ पर रेंगने का

एहसास बहुत अच्छा लगता है। एक रिपोर्ट के अनुसार शिकागो के रहने वाले 26 साल के कार्लोस का टेस्ट बड़ा ही अजीब है। उन्हें कीड़े खाना पसंद है, जिन्हें मीलवर्म्स कहते हैं। उन्होंने बताया कि वो डेली 100 मीलवर्म्स चबा जाते हैं।

पार्टनर को होती है चिंता

हाल ही में कार्लोस, 'माय स्ट्रेंज एडिक्शन' शो का हिस्सा भी बने, जिसमें उन्होंने अपने शौक के बारे में बात की। उनका कहना है कि कीड़ों में कॉकरोच भी उन्हें काफी पसंद आते हैं। उनके अंदर का हिस्सा कस्टर्ड जैसा लगता है। कार्लोस यूं तो बेरोजगार हैं, मगर उनकी पार्टनर एश्ली, जिनसे उनकी एक बेटी भी है, इस हरकत के चलते बेहद परेशान रहती हैं। उन्हें कार्लोस की सेहत की चिंता होती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छतीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छतीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com